Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

E-Mail : mantrabharatmumbai@gmail.com, Mo. 7007837917

संस्करण : मुंबई
वर्ष : 11
अंक : 10
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
शनिवार, 17 जनवरी, 2026

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

मुंबई, लखनऊ, प्रयागराज एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित एवं ठाणे, नवी मुम्बई, पालघर, नासिक एवं पुणे से प्रसारित

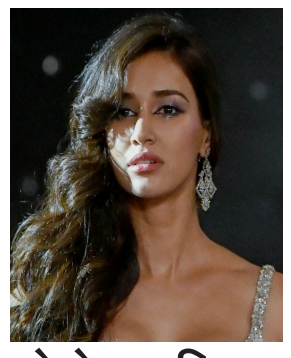

5 सुशासन, पारदर्शिता और निर्णायक नेतृत्व ...

4 शक्ति, रणनीति और शहादत का संगम है ...

7 महिला क्रिकेट में बदलाव की मांग : न्यूजीलैंड ...

महाराष्ट्र निकाय चुनाव

'बीएमसी में भाजपा ने बनाया जीत का रिकॉर्ड'

सीएम फडणवीस बोले- बालासाहेब का आशीर्वाद मिला

मुंबई। महाराष्ट्र के नगर निकाय चुनावों में इस बार बड़ा राजनीतिक संदेश सामने आया है। देश की सबसे समृद्ध महानगरपालिका बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) में भाजपा के नेतृत्व वाली महायुति ने जीत का रिकॉर्ड बनाते हुए स्पष्ट बहुमत की ओर मजबूत बढ़त हासिल की है।

इस नतीजे को मुंबई की सत्ता में लंबे समय बाद स्थिर सरकार की वापसी के संकेत के तौर पर देखा जा रहा है। मुख्यमंत्री फडणवीस ने इसे जनता का आशीर्वाद और विकास की राजनीति की जीत बताया।

भाजपा ने जीत का श्रेय किसे दिया?

भाजपा ने इस जीत का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व, पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन और संगठनात्मक मजबूती को दिया है। पार्टी का कहना है कि यह जनादेश विकास, सुशासन और भरोसे की राजनीति की पुष्टि करता है। राज्य स्तर पर कार्यकर्ताओं की मेहनत और स्थानीय नेतृत्व की रणनीति को भी निर्णायक बताया गया।

बीएमसी में जीत क्यों अहम मानी जा रही है?

बीएमसी देश का सबसे अमीर नगर निगम है, इसलिए इसके चुनाव का असर केवल मुंबई नहीं, पूरे राज्य की राजनीति पर पड़ता है।

मुंबई की प्रशासनिक और राजनीतिक दिशा काफी हद तक बीएमसी से तय होती है।

भाजपा और एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना की महायुति को बढ़त मिलना शहरी मतदाताओं के भरोसे का संकेत है।

नतीजे बताते हैं कि मतदाताओं ने स्थिर सरकार और विकास की राजनीति को प्राथमिकता दी है।

फडणवीस ने कहा कि यह जीत सामूहिक मेहनत और पार्टी कार्यकर्ताओं के प्रयासों का परिणाम है।

विपक्ष को जनता ने क्या संदेश दिया?

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने चुनाव नतीजों पर प्रतिक्रिया देते हुए विपक्ष पर तीखा हमला किया। उन्होंने कहा कि महायुति को जनता का भरोसा मिला है, जबकि कांग्रेस, उद्धव ठाकरे गुट और शरद पवार गुट की अगुवाई वाली महाविकास आघाड़ी सीमित सीटों तक सिमट गई है। उनके मुताबिक, नकारात्मक राजनीति और अस्थिर गठबंधनों को जनता ने नकार दिया है। गोयल ने दावा किया कि मुंबई में अब वर्षों बाद स्पष्ट बहुमत वाली स्थिर सरकार बनेगी। उन्होंने यह भी कहा कि उद्धव और राज ठाकरे के गठबंधन को मतदाताओं ने नैतिक जवाब दिया है।

भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन की बीएमसी चुनावों में शानदार जीत हासिल की है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने निकाय चुनावों में मिली जीत के बाद पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण को फोन किया और बधाई दी। फडणवीस जल्द ही मुंबई में राज्य भाजपा मुख्यालय जाएंगे, जहां उनका भव्य स्वागत होगा। वह पार्टी कार्यकर्ताओं को भी संबोधित करेंगे और उन्हें जीत की बधाई देंगे।

बीएमसी चुनावों में भाजपा-शिवसेना महायुति की जीत के बाद मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मुंबई भाजपा अध्यक्ष अमित साटम को फोन करके बधाई दी।

दो-तिहाई बहुमत हासिल करेगा महायुति- चंद्रशेखर बावनकुले

महाराष्ट्र के राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने शुक्रवार को कहा कि राज्य के नगर निकाय चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) बहुमत की ओर बढ़ रही है और पार्टी के नेतृत्व वाला महायुति गठबंधन दो-तिहाई बहुमत हासिल करेगा। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र की जनता ने विकास के पक्ष में मतदान किया है। नागपुर में पत्रकारों से बातचीत में बावनकुले ने कहा कि रुझानों के मुताबिक भाजपा करीब 51 प्रतिशत वोट शेयर के साथ बहुमत का आंकड़ा पार करेगी। उन्होंने भरोसा जताया कि महायुति गठबंधन भी दो-तिहाई बहुमत हासिल करने की स्थिति में है। रुझानों के अनुसार, मुंबई महानगरपालिका के 227 में से 210 वार्डों में भाजपा और उसकी सहयोगी शिवसेना आगे चल रही हैं। इसके अलावा राज्य के कई अन्य नगर निकायों में भी भाजपा बढ़त बनाए हुए है।

बावनकुले ने कहा कि नागपुर नगर निगम चुनाव में भाजपा का प्रदर्शन काफी मजबूत रहा है। उन्होंने कहा कि शहर के विकास के लिए केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के विजन पर जनता ने भरोसा जताया है। उन्होंने कहा कि लोगों ने केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राज्य में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व वाली 'डबल इंजन' सरकारों पर अपना विश्वास दोहराया है। उल्लेखनीय है कि राज्य भर में 29 नगर निकायों के लिए गुरुवार को मतदान हुआ था, जबकि शुक्रवार को मतगणना की जा रही है।

10 नगर निगमों में 65 उम्मीदवार निर्विरोध चुने गए- राज्य निर्वाचन आयोग

महाराष्ट्र के नगर निकाय चुनावों में राज्य निर्वाचन आयोग ने बताया कि 10 नगर निगमों के कुल 65 उम्मीदवारों को निर्विरोध चुना गया। ये घोषणा 15 जनवरी को हुए मतदान से पहले की गई थी। जानकारी के अनुसार, भाजपा ने सबसे ज्यादा 43 उम्मीदवारों को निर्विरोध जिताया, इसके बाद एकनाथ शिंदे नेतृत्व वाली शिवसेना के 18, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के 2, एक स्वतंत्र उम्मीदवार और इंडियन सेक्यूलर लार्जेस्ट असेंबली ऑफ महाराष्ट्र का एक उम्मीदवार शामिल है।

कई प्रमुख नगर निगमों में स्थिति इस प्रकार रही:

कालन-डोंबिवली (ठाणे): 22 उम्मीदवार निर्विरोध, जिसमें 16 भाजपा और 6 शिवसेना

पिंपरी चिंचवड़ और पुणे: भाजपा के 2 उम्मीदवार बिना चुनाव लड़े विजयी

भिवंडी-निजामपुर (ठाणे): 6 उम्मीदवार निर्विरोध

पनवेल: 7 निर्विरोध उम्मीदवार (6 भाजपा, 1 स्वतंत्र)

जलगांव: 12 निर्विरोध (6 भाजपा, 6 शिवसेना)

धुले: 4 उम्मीदवार सभी भाजपा के

ठाणे: 6 निर्विरोध उम्मीदवार सभी शिवसेना के

अहिल्यानगर: 5 निर्विरोध (3 भाजपा, 2 NCP)

बीजेपी-शिवसेना गठबंधन की जीत पर अमित शाह ने दी बधाई

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने महाराष्ट्र के नगर निगम चुनावों में भाजपा-शिवसेना गठबंधन की शानदार जीत पर ट्वीट कर अपनी खुशी जताई। उन्होंने कहा कि यह जीत दर्शाती है कि देश के हर कोने की जनता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली NDA की विकासनीति पर भरोसा रखती है। शाह ने इस ऐतिहासिक सफलता को महायुति सरकार द्वारा प्रदेश में किए गए विकास और जनकल्याण के कार्यों पर जनता की मुहर बताया। उन्होंने महाराष्ट्र की जनता का हार्दिक आभार जताया। अमित शाह ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण और भाजपा-शिवसेना के सभी कार्यकर्ताओं को इस बड़ी जीत की बधाई दी।

भाजपा ने क्या रखा बीएमसी के लिए एजेंडा, जीती कैसे?

1. **विकास का मुद्दा:** भाजपा ने अपने चुनाव प्रचार में मुख्य रूप से विकास और बुनियादी ढांचे पर ध्यान केंद्रित किया। पार्टी ने कोस्टल रोड, मेट्रो और अन्य विकास कार्यों को अपनी उपलब्धि के रूप में पेश किया। भाजपा ने मतदाताओं को यह समझाने पर जोर दिया कि उन्होंने मुंबई के लिए क्या-क्या काम किए हैं।

2. **महायुति गठबंधन:** देवेंद्र फडणवीस और एकनाथ शिंदे के एक साथ आने से उनकी ताकत बढ़ गई। शिवसेना के दो हिस्सों में बंटने और शिंदे गुट के भाजपा के साथ आने से गठबंधन की स्थिति मजबूत हुई। दूसरी तरफ शिवसेना, जो अपने मूल स्वरूप में चुनाव जीतती थी, उसकी ताकत बंट गई।

3. **संगठनात्मक मजबूती और सत्ता का लाभ:** भाजपा की ताकत वार्ड स्तर और हर बूथ पर बढ़ गई थी, क्योंकि उनके पास कई विधायक चुनकर आए थे। सत्ता में होने की वजह से उन्हें सरकारी योजनाओं के कार्यान्वयन और संसाधनों का लाभ मिला, जिससे वे मतदाताओं को अधिक सुविधाएं और आश्वासन दे पाए।

4. **पिछली तैयारियों का आधार:** पिछले बीएमसी चुनाव में भी भाजपा की सीटें शिवसेना से केवल दो कम थीं। उस समय से ही भाजपा ने अपनी ताकत बढ़ानी शुरू कर दी थी।

बुनियादी सेवाओं के लिए रखरखाव की जिम्मेदारी: यह शहर के 2,050 किमी लंबे सड़क नेटवर्क के निर्माण और रखरखाव के लिए जिम्मेदार है। इसके अलावा, यह सात झीलों के माध्यम से पूरे मुंबई को पीने के पानी की आपूर्ति करता है और जल निकासी (सीवेज) का प्रबंधन करता है।

बुनियादी ढांचा और अपशिष्ट प्रबंधन की निगरानी: शहर की बड़ी परियोजनाओं, जैसे मुंबई कोस्टल रोड, फ्लाईओवर और पुलों का निर्माण भी बीएमसी की ही जिम्मेदारी है। मुंबई में हर दिन 8,000 से 10,000 मीट्रिक टन कचरा पैदा करता है, जिसे इकट्ठा करने और इसके प्रबंधन की जिम्मेदारी बीएमसी की है।

सार्वजनिक स्वास्थ्य और शिक्षा: बीएमसी देश की सबसे बड़ी सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणालियों में से एक का संचालन करता है। इसमें चार मेडिकल कॉलेज अस्पताल, 16 सामान्य अस्पताल और कई छोटे-बड़े औषधालय शामिल हैं।

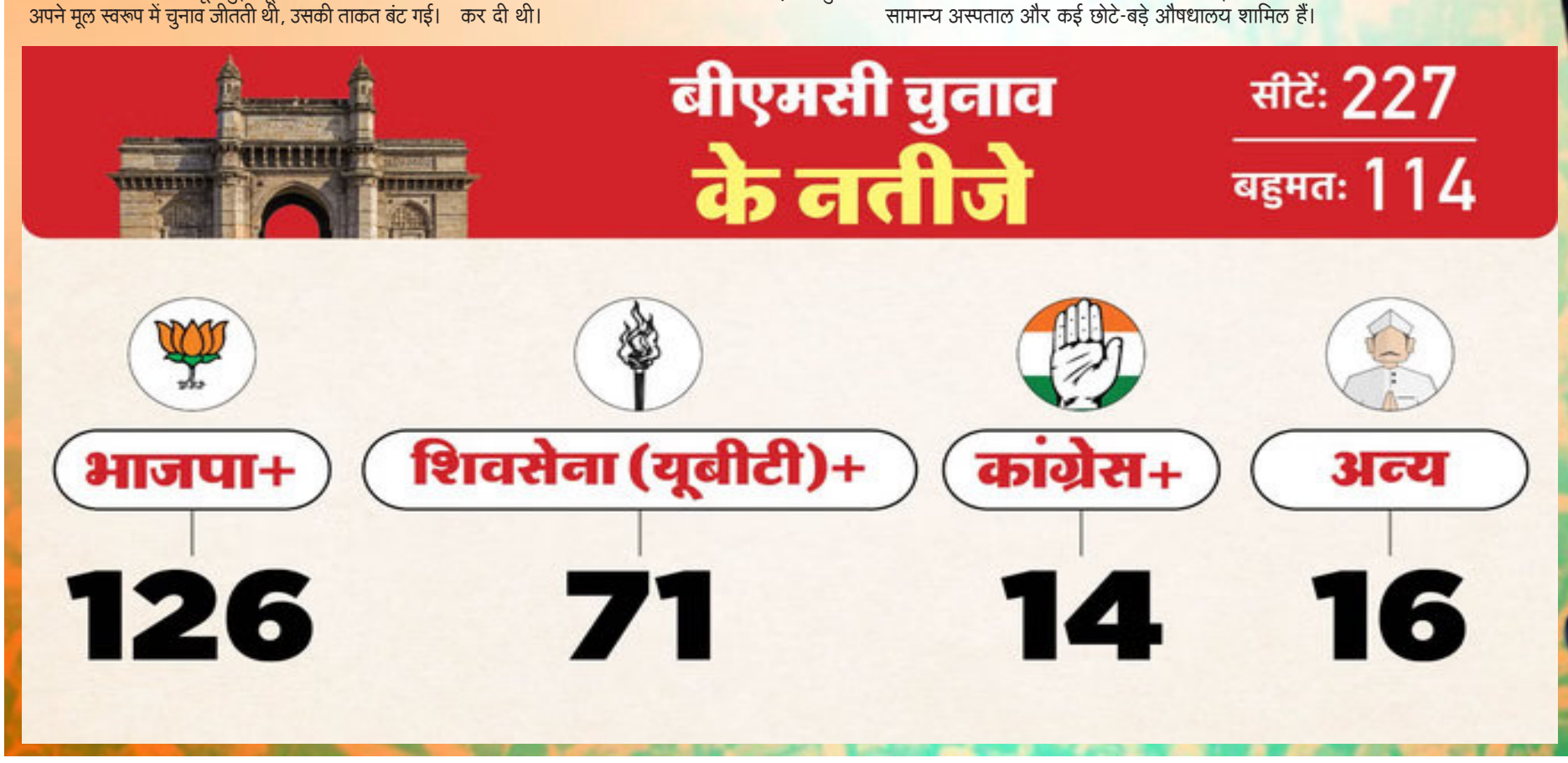

भावनात्मक राजनीति को करारा जवाब, विकास की राजनीति की ऐतिहासिक जीत : रविंद्र चव्हाण

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र की जनता ने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया है कि अब वह खोखली भावनात्मक अपील, झूठे नारों और भ्रम फैलाने वाली राजनीति के बहकावे में आने वाली नहीं है। महानगरपालिका चुनावों के नतीजों ने साफ कर दिया है कि महाराष्ट्र का मतदाता अब केवल और केवल विकास, सुशासन और स्थिर नेतृत्व के साथ खड़ा है। यह निर्णायक जनादेश भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में विकास की राजनीति की ऐतिहासिक जीत है, ऐसा प्रतिपादन भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष श्री रविंद्र चव्हाण ने किया।

श्री चव्हाण ने कहा कि वर्षों से भाजपा के कार्यकर्ताओं ने त्याग, संघर्ष और समर्पण के साथ पार्टी को मजबूत करने का कार्य किया। सत्ता नहीं, बल्कि सेवा के संकल्प के साथ कार्यकर्ताओं ने संगठन को घर-घर तक पहुँचाया। आज मिली यह विजय किसी एक नेता की नहीं, बल्कि हर उस कार्यकर्ता की है जिसने पार्टी की विचारधारा को ज़मीन पर उतारने के लिए दिन-रात मेहनत की। यह जीत समर्पित कार्यकर्ताओं को समर्पित है।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह, पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जे. पी. नड्डा, राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष श्री नितिन नवीन के स्पष्ट मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री श्री देवेंद्र फडणवीस के सशक्त, निर्णायक और विकासोन्मुख नेतृत्व में भाजपा ने बिना किसी भ्रम के विकास के एजेंडे पर चुनाव लड़ा। इसके विपरीत विपक्ष ने एक बार फिर भावनात्मक मुद्दों, झूठे डर और भ्रम फैलाने की राजनीति करने की कोशिश की। लेकिन महाराष्ट्र की जागरूक जनता ने इस भोंदू और अवसरवादी राजनीति को पूरी तरह खारिज कर दिया।

उन्होंने कहा कि यह चुनाव इस बात का प्रमाण है कि अब महाराष्ट्र पीछे देखने वाली राजनीति नहीं चाहता, बल्कि आगे बढ़ने वाला नेतृत्व चाहता है। 'विजन महाराष्ट्र' और महाराष्ट्र को ट्रिलियन इकोनॉमी की ओर ले जाने के ठोस रोडमैप को जनता ने जिस प्रकार स्पष्ट समर्थन दिया है, वह विपक्ष के लिए एक कड़ा राजनीतिक संदेश है।

श्री चव्हाण ने आगे कहा कि वर्षों तक चुनाव भावनाओं को भड़काकर जीते जाते रहे, लेकिन मुख्यमंत्री श्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में यह चुनाव विकास बनाम भ्रम की लड़ाई बन गया–और उसमें विकास की निर्णायक जीत हुई है।

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष के रूप में और पार्टी के लाखों कार्यकर्ताओं की ओर से मैं महाराष्ट्र की समझदार, जागरूक और विकासोन्मुख जनता का हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ। यह जनादेश महाराष्ट्र को तेज़ विकास, पारदर्शी प्रशासन और मज़बूत भविष्य की ओर ले जाने वाला सिद्ध होगा, ऐसा विश्वास भी श्री रविंद्र चव्हाण ने व्यक्त किया।

आपदा एवं दुर्घटना प्रबंधन तैयारियों का आकलन करने हेतु अंकलेश्वर स्टेशन पर मॉक ड्रिल

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

वडोदरा रेल मंडल द्वारा आज सूरत - वडोदरा रेल खंड के अंकलेश्वर स्टेशन पर आपदा एवं दुर्घटना प्रबंधन तैयारियों का आकलन करने हेतु एक मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। इस अभ्यास में कुल 98 रेलवे कर्मचारियों और 25 राज्य सरकार के अधिकारियों और अन्य वॉलंटियर्स ने हिस्सा लिया।

वडोदरा मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री राजू भडके ने इस सम्बन्ध में बताया कि इस मॉक ड्रिल का उद्देश्य सभी संबंधित विभागों के सभी रेलवे अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ-साथ राज्य सरकार के अधिकारियों और अन्य लोगों की सतर्कता और तैयारियों की जांच करना था। असली इमरजेंसी के दौरान रिस्पॉन्स टाइम कम करने और इंसानी गलतियों को रोकने के लिए समय-समय पर ऐसी मॉक ड्रिल आयोजित की जाती हैं।

पश्चिम रेलवे के जनसंपर्क अधिकारी अनुभव सक्सेना द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार मॉक ड्रिल के दौरान प्रातः लगभग 10:43 बजे एक परिकल्पित दुर्घटना के तहत यह स्थिति बनाई गई कि अंकलेश्वर की घ्ज्ञ साइडिंग से मुंबई

मंडल स्थित व्झ्ऊ साइडिंग जा रही एक मालगाड़ी का एक लोडेड वैगन दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें उसके साउथ ट्रॉली के सभी पहिए पटरी से उतर गए तथा कुछ अन्य ट्रैक मैन घायल हो गए।

उन्होंने बताया किघटना की जानकारी मिलते ही तत्परता दिखाते हुए वडोदरा से एक्सिडेंट रिलीफ़ मेडिकल इक्विपमेंट तथा एक्सिडेंट रिलीफ़ ट्रेन एवं उधना से एक्सिडेंट रिलीफ़ ट्रेन तुरंत अंकलेश्वर भेजी गई। साथ ही वडोदरा मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री राजू भडके अन्य वरिष्ठ अधिकारिओं के साथ तुरंत घटनास्थल पर रवाना हुए।

अभ्यास का मुख्य उद्देश्य विभिन्न विभागों की आपातकालीन तैयारी, त्वरित प्रतिक्रिया, आपसी समन्वय तथा राहत कार्यों की प्रभावशीलता का परीक्षण करना था। ड्रिल के दौरान प्राथमिक उपचार, भीड़ नियंत्रण, संचार व्यवस्था, संरक्षा उपाय तथा राहत गतिविधियों का विस्तृत अनुकरण किया गया।

पश्चिम रेलवे द्वारा 26 जनवरी, 2026 से मुंबई उपनगरीय खंड में और 12 एसी लोकल ट्रेनों की शुरुआत

एसी लोकल ट्रेनों की कुल संख्या 109 से बढ़कर 121

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

यात्रियों के बीच बढ़ती लोकप्रियता और बढ़ती मांग को देखते हुए पश्चिम रेलवे द्वारा सोमवार, 26 जनवरी, 2026 से मुंबई उपनगरीय खंड में एसी लोकल ट्रेनों की संख्या बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। 12 नई एसी लोकल सेवाओं की शुरुआत के साथ एसी लोकल ट्रेनों की कुल संख्या अब 109 से बढ़कर 121 हो जाएगी।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, एसी लोकल ट्रेनों से यात्रा करने वाले यात्रियों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। अतः यात्रियों की सुविधा के लिए तथा भीड़ को समायोजित करने के उद्देश्य से पश्चिम रेलवे पर मौजूदा नॉन-एसी 12 डिब्बों वाली लोकल ट्रेनों के स्थान पर 12 अतिरिक्त एसी लोकल सेवाएँ शुरू की जा रही हैं। ये सभी सेवाएँ सप्ताह के सभी दिनों में एसी सेवाओं के रूप में परिचालित होंगी। लोकल ट्रेनों की कुल संख्या में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है, अर्थात कुल 1406

लोकल सेवाएँ यथावत रहेंगी, जिनमें से 121 सेवाएँ एसी लोकल ट्रेन सेवाएँ होंगी।

श्री विनीत ने आगे बताया कि शुरू की जा रही 12 और एसी लोकल ट्रेनों में से 6 ट्रेनें अप दिशा में और 6 ट्रेनें डाउन दिशा में हैं। अप दिशा में, विरार - चर्चगेट और गोरेगांव - चर्चगेट के बीच 2-2 ट्रेनें तथा बोरीवली - चर्चगेट और भायंदर - चर्चगेट के बीच एक-एक ट्रेन है।

इसी तरह, डाउन दिशा में, चर्चगेट - विरार और चर्चगेट - गोरेगांव के बीच 2-2 ट्रेनें तथा चर्चगेट - भायंदर और चर्चगेट - बोरीवली के बीच एक-एक ट्रेन है।

अतिरिक्त 12 एसी ईएमयू ट्रेनों का विवरण अनुलग्नक-I में संलग

77वां गणतंत्र दिवसः राष्ट्रपति भवन में 'एट होम' समारोह के लिए महाराष्ट्र के चार गणमान्य व्यक्तियों को विशेष निमंत्रण

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भारत के 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति भवन में होने वाले प्रतिष्ठित 'एट होम' रिसेप्शन के लिए महाराष्ट्र के चार गणमान्य व्यक्तियों को चुना गया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रायगढ़ जिले के सगुना बाग के चंद्रशेखर भडसावले, नांदेड़ के सांप के काटने के विशेषज्ञ डॉ. दिलीप पुंडे, जलगांव के अरविंद गुलाब चौधरी और मुंबई के स्टार्टअप उद्यमी आकाश शाह को विशेष निमंत्रण भेजा है।

रायगढ़ जिले में सगुना बाग के संस्थापक और जाने-माने 'कृषि रत्न' चंद्रशेखर हरि भडसावले को कृषि, प्राकृतिक खेती, जीरो-टिलेज टेक्नोलॉजी, जल संरक्षण, कृषि-पर्यटन और ग्रामीण विकास के क्षेत्रों में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए इस अवसर पर सम्मानित किया गया है। 1976 से कृषि क्षेत्र में काम कर रहे भडसावले ने नेरल में 'सगुना बाग' को एकीकृत कृषि के विश्व स्तरीय मॉडल के रूप में विकसित किया है। यह मॉडल, जो मत्स्य पालन, वानिकी, बागवानी, पशुपालन और पर्यटन को जोड़ता है, आज देश भर के किसानों और छात्रों के लिए प्रेरणा बन गया है और किसानों का आत्मविश्वास बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

नांदेड़ जिले के मुखेड़ के जाने-माने विशेषज्ञ डॉ. दिलीप पुंडे को चिकित्सा के क्षेत्र में उनके मानवीय कार्य के लिए यह विशेष निमंत्रण दिया गया है। छत्रपति संभाजीनगर से एमडी की डिग्री हासिल करने के बाद, शहर में बेहतरीन करियर के अवसर होने के बावजूद, उन्होंने जानबूझकर मरीजों की देखभाल के लिए दूरदराज और पहाड़ी मुखेड़ क्षेत्र को चुना। पिछले 30 सालों से उन्होंने सांप के काटने के इलाज में क्रांति ला दी है। 1988 में मुखेड़ क्षेत्र में सांप के काटने से होने वाली 25 प्रतिशत मृत्यु दर डॉ. पुंडे की वैज्ञानिक उपचार पद्धति के कारण आज शून्य प्रतिशत हो गई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (ष्ठ) ने उनके काम का संज्ञान लिया है और उन्हें 'राष्ट्रीय सांप के काटने के मार्गदर्शन समिति' में चुना है।

जलगांव जिले के धरनगांव के अरविंद गुलाब चौधरी को भी इसी समारोह के लिए आमंत्रित किया गया है। वह उन सफल लाभार्थियों का प्रतिनिधित्व करेंगे जिन्हें केंद्र सरकार की 'प्रधानमंत्री आवास योजना' का फायदा उठाकर उनके हक के घर मिले हैं। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाएं इस बात का उदाहरण बन गई हैं कि उन्होंने आम आदमी की ज़िंदगी कैसे बदली है।

इसके अलावा, मुंबई के युवा उद्यमी आकाश शाह को स्टार्टअप और इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में उनके खास योगदान के लिए आमंत्रित किया गया है। जहाँ स्टार्टअप देश की आर्थिक प्रगति में अहम भूमिका निभाते हैं, वहीं इस क्षेत्र में आकाश शाह की महत्वपूर्ण उपलब्धियों को राष्ट्रपति भवन ने मान्यता दी है।

'एट होम' समारोह, जो गणतंत्र दिवस के मुख्य कार्यक्रम के बाद राष्ट्रपति की मौजूदगी में होता है, उसे एक बहुत ही प्रतिष्ठित कार्यक्रम माना जाता है।

इस महानगरपालिका में कांग्रेस का होगा मेयर, BJP को बड़ा झटका, शिंदे गुट का नहीं खुला खात

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

लातूर महानगरपालिका में कांग्रेस के लिए खुशखबरी आई है. यहां कांग्रेस का मेयर बनना तय है. फाइनल नतीजों में कांग्रेस ने 43, बीजेपी ने 22, वंचित बहुजन अघाड़ी ने चार और एनसीपी ने एक सीट पर जीत हासिल की है. शरद पवार गुट, उद्धव ठाकरे गुट और एकनाथ शिंदे गुट का यहां खाता नहीं खुला. लातूर में कांग्रेस और प्रकाश आंबेडकर की वंचित बहुजन अघाड़ी ने गठबंधन में चुनाव लड़ा था.

चुनाव अधिकारियों के मुताबिक लातूर में बीजेपी 22 सीटों के साथ दूसरे स्थान पर रही. लातूर महानगरपालिका में कुल 70 वार्ड हैं. लातूर महानगरपालिका समेत महाराष्ट्र की 29 महानगरपालिकाओं के लिए मतगणना आज (16 जनवरी) सुबह 10 बजे से शुरू हुआ. इससे पहले इन सभी महानगरपालिका चुनाव के लिए गुरुवार (15 जनवरी) को वोट डाले गए थे. सुबह 7:30 बजे से शाम 5:30 बजे तक मतदान हुआ था.

लातूर में किस पार्टी को कितनी सीटें?

कांग्रेस-43
बीजेपी- 22
शिवसेना-0
शिवसेना यूबीटी-0
एनसीपी-1
मनसे-0
एनसीपी -0

लातूर में कितना फीसदी मतदान हुआ?

महाराष्ट्र में गुरुवार (15 जनवरी) को हुए 29 नगर निकायों के चुनाव में 54.77 फीसदी मतदान दर्ज किया गया. राज्य निर्वाचन आयोग (एसईसी) ने शुक्रवार को इस बारे में जानकारी दी. लातूर में 60.08 फीसदी मतदान हुआ. राज्य की नवगठित इचलकरंजी महानगरपालिका में सबसे अधिक 69.76 फीसदी वोटिंग हुई थी.

लातूर में मुख्य रूप से बीजेपी-शिवसेना साथ में उतरी थी. दूसरी तरफ ठाकरे ब्रदर्स थे. वहीं कांग्रेस और वंचित बहुजन अघाड़ी ने मिलकर अलग चुनाव लड़ा.

महाराष्ट्र के 29 महानगरपालिका के 893 वार्डों की 2,869 सीटों के लिए गुरुवार को मतदान हुआ, जिनमें मुंबई की 227 सीटें शामिल हैं. इन 29 नगर निकायों में कुल 15,931 उम्मीदवार मैदान में उतरे थे. करीब 3.48 करोड़ पात्र मतदाता थे.

साल 2017 में लातूर में क्या रहे थे नतीजे?

साल 2017 के लातूर महानगरपालिका चुनाव में बीजेपी ने अच्छा प्रदर्शन किया था. कुल 70 वार्डों में से बीजेपी ने 36 सीटों पर कब्जा किया था और पार्टी पहले स्थान पर रही थी. वहीं कांग्रेस को इस दौरान हुए चुनाव में 33 वार्डों में जीत हासिल हुई थी. जबकि अविभाजित एनसीपी के खाते में एक सीट गई थी.

मध्य रेल टाटा मुंबई मैराथन 2026 के लिए 2 विशेष उपनगरीय ट्रेन सेवाएं चलाएगा

मध्य रेल टाटा मुंबई मैराथन 2026 के प्रतिभागियों की सुविधा के लिए दिनांक 17/18 जनवरी 2026 (शनिवार/रविवार रात) को 2 विशेष उपनगरीय ट्रेन सेवाएं चलाएगा।

विवरण इस प्रकार हैं:

मेन लाइन - कल्याण-सीएसएमटी विशेष

विशेष ट्रेन कल्याण से 02:30 बजे प्रस्थान करेगी और सीएसएमटी मुंबई 04:00 बजे पहुंचेगी।

हार्बर लाइन - पनवेल-सीएसएमटी विशेष

विशेष ट्रेन पनवेल से 02:25 बजे प्रस्थान करेगी और सीएसएमटी मुंबई 03:45 बजे पहुंचेगी।

दोनों विशेष ट्रेनें मार्ग में आने वाले सभी स्टेशनों पर ठहरेंगी।

यात्रियों से अनुरोध है कि वे इस जानकारी पर ध्यान दें और इन विशेष सेवाओं का लाभ उठाएं।

महाराष्ट्र निकाय चुनावः लो-प्रोफाइल सीटों के नतीजों ने सबको चौंकाया; इन जगहों की जीत ने भी बटोरीं सुर्खियां

मुंबई। महाराष्ट्र के नगर निकाय चुनावों में इस बार भले ही बड़े दिग्गज नेताओं की टक्कर रही हो, लेकिन कई अनोखी और चौंकाने वाली जीतों ने पूरे राज्य और देश का ध्यान खींच लिया है। कहीं एक ही परिवार के तीन सदस्यों की जीत चर्चा में रही, तो कहीं गंभीर आपराधिक मामले में आरोपी उम्मीदवार की जेल से जीत ने नई बहस छेड़ दी है।

जलगांव में एक परिवार का राजनीतिक रिकॉर्ड

जलगांव नगर निगम चुनाव में कोल्हे परिवार ने इतिहास रच दिया। परिवार के तीन सदस्यों ने अलग-अलग वार्डों से जीत दर्ज की।शिवसेना (शिंदे गुट) के नेता और पूर्व महापौर ललित कोल्हे ने जेल में रहते हुए चुनाव लड़ा और जीत हासिल की। वहीं उनके बेटे पीयूष कोल्हे ने अपने राजनीतिक करियर का पहला चुनाव जीतकर सबको चौंका दिया।

जैसे ही जीत की खबर सामने आई,

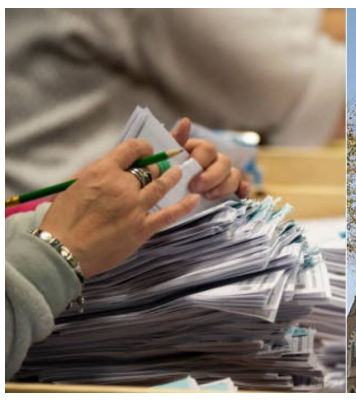

ललित कोल्हे की पत्नी और शिंदे सेना की महिला विंग की प्रमुख सरिता कोल्हे भावुक हो गईं और खुशी के आंसू बहाते हुए बेटे को गले लगा लिया। यह दृश्य सोशल मीडिया पर भी तेजी से वायरल हुआ।

गौरी लंकेश हत्याकांड के आरोपी की जालना में जीत

जालना नगर निगम चुनाव में पत्रकार गौरी लंकेश हत्याकांड के आरोपी श्रीकांत पंगारकर ने निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में वार्ड नंबर 13 से जीत दर्ज की। उन्होंने भाजपा समेत अन्य दलों के उम्मीदवारों को 2,621 वोटों के अंतर से हराया। खास बात यह रही कि इस वार्ड से एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने कोई उम्मीदवार नहीं उतारा, जिससे मुकाबला बहुकोणीय हो गया।

श्रीकांत पंगारकर के खिलाफ मामला अभी अदालत में लंबित है। जीत के बाद उन्होंने कहा कि अब तक उनके खिलाफ कोई सजा नहीं हुई है और कानूनी प्रक्रिया जारी है। उनकी जीत के बाद समर्थकों के साथ जश्न मनाते हुए वीडियो सामने आए, जिसने आरोपित व्यक्तियों के चुनाव लड़ने को लेकर देशभर में नई बहस को जन्म दे दिया है।

राज्यभर में भगवा प्रभाव

इन घटनाक्रमों के बीच चुनावी नतीजों में नागपुर, पुणे और नासिक समेत कई शहरों में भगवा लहर भी देखने को मिली, जिसने राज्य की राजनीति की दिशा पर नए संकेत दिए हैं।

महिलाओं के स्वास्थ्य के लिए एक ऐतिहासिक कदम - स्वास्थ्य राज्य मंत्री मेघना बोरडीकर

राज्य में देश का पहला 'मेनोपॉज़ क्लिनिक' खुला

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। महिलाओं के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए, राज्य के सभी सरकारी अस्पतालों और शहरी इलाकों में 'मेनोपॉज़ क्लिनिक' शुरू किए गए हैं। यह बात सार्वजनिक स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री मेघना बोरडीकर ने कही।

स्वास्थ्य राज्य मंत्री बोरडीकर ने कहा कि मेनोपॉज़ एक महिला के जीवन का बहुत संवेदनशील दौर होता है। इस दौरान होने वाले शारीरिक बदलाव, मानसिक तनाव, हार्मोनल असंतुलन, हड्डियों की बीमारियाँ, नींद की समस्याएँ और डिप्रेशन को अब तक नज़रअंदाज़ किया जाता रहा है। इस ज़रूरत को समझते हुए, राज्य सरकार ने महिलाओं के लिए 'मेनोपॉज़ क्लिनिक' शुरू करने का फैसला किया है।

स्वास्थ्य राज्य मंत्री बोरडीकर ने कहा कि इस क्लिनिक के ज़रिए, विशेषज्ञों से मेडिकल सलाह, मानसिक स्वास्थ्य काउंसलिंग, हड्डियों, दिल और हार्मोन की जाँच, दवाएँ और मार्गदर्शन एक ही जगह पर दिया जा रहा है। महाराष्ट्र देश का पहला राज्य बन गया है जिसने ऐसा 'मेनोपॉज़ क्लिनिक' शुरू किया है। महिलाओं के स्वास्थ्य को लेकर

राज्य सरकार द्वारा उठाया गया यह कदम दूसरे राज्यों के लिए एक मिसाल बनेगा।

मेनोपॉज़ कोई बीमारी नहीं है, बल्कि एक महिला के जीवन का एक प्राकृतिक पड़ाव है। हालांकि, इस पड़ाव के दौरान महिलाओं को शारीरिक और मानसिक सहारे की बहुत ज़रूरत होती है।

राज्य मंत्री बोरडीकर ने कहा कि मेनोपॉज़ क्लिनिक इसलिए शुरू किया गया है ताकि राज्य की हर महिला को इस दौरान सही सलाह, इलाज और सम्मान मिल सके।

'अरुणोदय' सिकल सेल एनीमिया विशेष जनजागृती अभियान के अवसर पर 'दिलखुलास' कार्यक्रम में डॉ. विजय कांडेवाड की मुलाकात

मुंबई।सिकल सेल एनीमिया के विरुद्ध चलाए जा रहे 'अरुणोदय' विशेष जनजागृती अभियान के अवसर पर स्वास्थ्य संचालक डॉ. विजय कांडेवाड की मुलाकात आकाशवाणी के लोकप्रिय कार्यक्रम दिलखुलास में प्रसारित की जाएगी। यह कार्यक्रम महासंचालनालय माहिती व जनसंपर्क द्वारा निर्मित है।

यह साक्षात्कार राज्य के सभी आकाशवाणी केंद्रों से 19 से 23 जनवरी 2026 के दौरान प्रतिदिन प्रातः 7.25 से 7.40 बजे तक प्रसारित किया जाएगा। इसके साथ ही यह साक्षात्कार न्यूज ऑन एआईआर मोबाइल ऐप पर भी सुना जा सकेगा। इस मुलाकात का संचालन उद्घोषिका उन्नति जगदाले ने किया है।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा 15 जनवरी 2026 से प्रारंभ किया गया 'अरुणोदय' सिकल सेल एनीमिया विशेष जनजागृती अभियान 7 फरवरी 2026 तक चलाया जाएगा। इस अभियान के माध्यम से समाज में सिकल सेल एनीमिया की रोकथाम, शीघ्र पहचान एवं प्रभावी उपचार के संबंध में व्यापक जनजागृती फैलाने का संकल्प लिया गया है।

सिकल सेल एनीमिया एक वंशानुगत रक्त विकार है, जिसका प्रादुर्भाव मुख्यतः आदिवासी एवं दूरदराज़ क्षेत्रों में अधिक पाया जाता है। कार्यक्रम के दौरान विवाह-पूर्व सिकल सेल जांच का महत्व, रोगियों एवं वाहकों की पहचान, गर्भावस्था के दौरान जांच तथा शासन द्वारा उपलब्ध निःशुल्क जांच व उपचार सुविधाओं की विस्तृत जानकारी दी गई है।

डॉ. विजय कांडेवाड ने 'दिलखुलास' कार्यक्रम के माध्यम से यह भी अपील की कि जनजागृती के माध्यम से सिकल सेल एनीमिया के प्रसार को रोका जा सकता है, जिसके लिए समाज के प्रत्येक घटक की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। 'अरुणोदय' अभियान में सहभागी होकर ही इस लक्ष्य को सफल बनाया जा सकता है।

पश्चिम रेलवे
भावनगर वर्कशॉप

ICF कोचों को NMGHS कोचों में बदलना

ई-निविदा सं.: BVPW-2025-26-RSP-08 **कार्य का नाम:** भावनगर वर्कशॉप में काम के दायरे के अनुसार ICF कोचों को NMGHS कोचों में बदलना। (मात्रा - 250 नग) **कार्य की अनुमानित लागत:** ₹39,40,17,216.10/- **बयाना राशि:** ₹21,20,100/- **कार्य पूर्ण करने की अवधि:** स्वीकृति पत्र जारी करने की दिनांक से 36 महीने **निविदा जमा करने की अंतिम दिनांक व समय:** 09/02/2026, 10:30 बजे **निविदा खोलने की दिनांक व समय:** 09/02/2026, 11:00 बजे **वेबसाइट विवरण:** निविदा केवल इलेक्ट्रॉनिक रूप से वेबसाइट पर प्रस्तुत की जाएगी **https://www. ireps. gov.in** **जारीकर्ता:** उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर, मुख्य कारखाना प्रबंधक कार्यालय, सवारी डिब्बा मरम्मत कारखाना, भावनगर परा, पश्चिम रेल्वे, **ईमेल:dycmews @bvp. railnet. gov. in** BVP 248

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

मध्य रेल

खुली निविदा सूचना संख्याः
सीनियर डीएमएम नागपुर/95265013
दिनांक 16/01/2026

निविदा फ़ाइल संख्या: 95 26 5013. संक्षेप में विवरण: आरडीएसओ ड्राइंग नंबर T5919 Alt-2 (नवीनतम बदलाव) के अनुसार इलास्टिक रेल क्लिप MK-V का सामान, निर्माण और सप्लाई और ERC के लिए IRS स्पेसिफिकेशन S. No. T-31-2021- पांचवां संशोधन (संशोधन-2 और नवीनतम बदलाव के साथ) के अनुसार। (नोट: जहाँ भी 'नवीनतम बदलाव' शब्द का इस्तेमाल किया गया है, उसका मतलब टेंडर बंद होने की असल तारीख तक के बदलाव होंगे।) **मात्रा:** 687300। **इकाई:** नग। निविदा बंद होने की दिनांक: **06.02.2026** समयः सुबह **11.30** बजे। वेबसाइट का पता जहां से निविदा जानकारी वेबसाइट पर देख जा सकता है **https://ireps.gov.in**

Akar-12-25

वरि. मं.सा.प्र.
मरे, नागपुर

टिकट के लिए UTS APP डाउनलोड करे

पश्चिम रेलवे
भावनगर मंडल

6 क्वाड केबल और ओएफसी केबल बिछाने/प्रतिस्थापन की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग

भारत के राष्ट्रपति की ओर से और उनके लिए मंडल रेल प्रबंधक (DRM) पश्चिमरेलवे, भावनगर निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करता हैं :- **निविदा क्रमांक: 51-2025** भावनगर डिवीजन का पीआरसीएल खंड (चरण-द्वितीय) ढोला जंक्शन (डीएलआई) - जालिया (जेए), जालिया (जेए) - ढसा (डीएएस), विजापडी (वीजेडी) - राजुला जंक्शन (आरएलए), लिंबडी (एलएम) - वढवान शहर (डब्ल्यूसी), वढवान शहर (डब्ल्यूसी) - सुरेंद्रनगर (एसआरजीटी) में 6 क्वाड केबल और ओएफसी केबल बिछाने/प्रतिस्थापन की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग। **अनुमानित लागतः** ₹37912732.59/- (केवल तीन करोड़ उनहत्तर लाख बारह हज़ार सात सौ बत्तीस रुपये और उनसठ पैसे). बोली दाताओं को अधिक जानकारी के लिए केवल **www.ireps.gov.in** के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन करना होगा. कृपया वेबसाइट पर जाएं. ऑनलाइन आवेदन की अंतिम **तारीख 06/02/2026 को 15.00 बजे तक** रहेगी. BVP 247

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

जनता ने विकास पर मुहर लगाई, तुष्टिकरण और भ्रम की राजनीति को करारा जवाब

सुशासन, पारदर्शिता और निर्णायक नेतृत्व की ऐतिहासिक जीत - मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

मुख्यमंत्री फडणवीस की मौजूदगी में भाजपा प्रदेश कार्यालय में भव्य विजय उत्सव

दिव्यांश

मुंबई।मुंबई सहित पूरे महाराष्ट्र में हुए महानगरपालिका चुनावों में भारतीय जनता पार्टी ने ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए सर्वाधिक सीटों पर जीत दर्ज की है। यह जनादेश न केवल भाजपा-महायुति की जीत है, बल्कि यह विकास, सुशासन और पारदर्शी प्रशासन की नीतियों पर जनता की स्पष्ट और निर्णायक मुहर है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इसे 'झूठ, तुष्टिकरण और खोखले वादों की राजनीति की करारी हार' बताया।

शुक्रवार को मुंबई स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित भव्य विजय उत्सव को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि भाजपा विकास के स्पष्ट एजेंडे, ईमानदार नीयत और मजबूत नेतृत्व के साथ जनता के बीच गई थी। जनता ने भ्रम फैलाने वालों, नकारात्मक राजनीति करने वालों और विकास विरोधी ताकतों को पूरी तरह नकार दिया है।

मुख्यमंत्री ने कहा, 'यह जीत सत्ता की नहीं, विचारों की जीत है। यह विजय भाजपा के उस हर कार्यकर्ता की है जिसने बूथ स्तर से लेकर शहर की सड़कों तक पार्टी का संदेश पहुंचाया। यह जनादेश भाजपा के प्रत्येक कार्यकर्ता को समर्पित है।'

विजय उत्सव के दौरान ढोल-ताशों की गूंज, गुलाल की बौछार और मिठाइयों के वितरण के साथ भाजपा नेताओं, पदाधिकारियों और हजारों कार्यकर्ताओं ने जोश और उत्साह के साथ जीत का जश्न मनाया।

इस अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण, विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर, कौशल विकास मंत्री मंगलप्रभात लोढ़ा, सांस्कृतिक मंत्री आशीष शेलार, पर्यावरण मंत्री पंकजा मुंडे, जलसंपदा मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटील, मुंबई भाजपा अध्यक्ष विधायक अमित साटम, प्रदेश महामंत्री विधायक विक्रांत पाटील, पूर्व सांसद डॉ. किरीट सोमैया, वरिष्ठ नेता भाई गिरकर, विधायक श्रीकांत भारतीय, महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष विधायक चित्रा वाघ, विधायक प्रसाद लाड तथा पीपल्स रिपब्लिकन पार्टी के जयदीप कवाड़े सहित अनेक वरिष्ठ नेता उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि यह जनादेश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जनता के अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है। 'जनता को भाषण नहीं, परिणाम चाहिए; नारे नहीं, विकास चाहिए – और यही संदेश इस चुनाव ने दिया है।' उन्होंने कहा कि स्वर्गीय बालासाहेब ठाकरे का आशीर्वाद भाजपा के साथ था, इसलिए यह ऐतिहासिक विजय संभव हो सकी।

मुख्यमंत्री ने दो टूक शब्दों में कहा कि भाजपा का हिंदुत्व दिखावटी नहीं, बल्कि राष्ट्र, संस्कृति और समाज को जोड़ने वाला हिंदुत्व है। 'जो भारत की संस्कृति का सम्मान करता है, वह हमारा है – यही भाजपा का स्पष्ट विचार है।'

उन्होंने कहा कि जनता से मिला यह जनसमर्थन जिम्मेदारी भी बढ़ाता है और आने वाले समय में भाजपा का हर जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ता निस्वार्थ भाव से जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरेगा। उन्होंने महायुति के सभी सहयोगी दलों का आभार व्यक्त किया।

यह जीत पसीना बहाने वाले कार्यकर्ताओं की है - प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण

प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण ने कहा कि वर्षों से भाजपा कार्यकर्ताओं ने सत्ता नहीं, बल्कि विचारों की लड़ाई लड़ी है। 'त्याग, समर्पण और अनुशासन से पार्टी की विचारधारा को गली-गली तक पहुंचाया गया। यह जीत उन्हीं कार्यकर्ताओं के संघर्ष की जीत है।'

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा और पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के मार्गदर्शन में तथा मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के निर्णायक नेतृत्व में भाजपा ने विकास को केंद्र में रखकर चुनाव लड़ा। भावनात्मक और विभाजनकारी राजनीति को जनता ने सिरे से खारिज कर दिया।

प्रदेश अध्यक्ष चव्हाण ने मतदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह जनादेश भाजपा को और अधिक मजबूती के साथ महाराष्ट्र के विकास के लिए काम करने की प्रेरणा देगा।

महाराष्ट्र निकाय चुनाव में जीत के लिए फडणवीस-शिंदे को बधाई, 'महायुति' सरकार होगी मजबूत : गडकरी

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने महाराष्ट्र में बीएमसी सहित 29 निकायों के चुनाव में भाजपा-शिवसेना गठबंधन की बढ़त के रुझानों के बीच राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के साथ-साथ पार्टी कार्यकर्ताओं को भी बधाई दी।

गडकरी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में महाराष्ट्र की प्रगति की यात्रा को और भी अधिक मजबूती मिलेगी।

उन्होंने नगर निकाय चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और शिवसेना के शानदान प्रदर्शन के लिए फडणवीस, शिंदे, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण, राज्य के राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले और सभी पार्टी कार्यकर्ताओं

को बधाई दी।

गडकरी ने कहा कि वह राज्य की जनता के प्रति आभारी हैं, जिन्होंने विकास को प्राथमिकता देते हुए भाजपा नीत महायुति पर भरोसा जताया। उन्होंने कहा कि यह जीत महायुति सरकार को और भी अधिक गति प्रदान करेगी, जो विकास के पथ पर तेजी से आगे बढ़ रही है।

गडकरी ने कहा, 'मुझे विश्वास है कि प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री फडणवीस के नेतृत्व में महाराष्ट्र की प्रगति की यात्रा को और भी अधिक मजबूती मिलेगी।' महाराष्ट्र में 29 महानगरपालिकाओं के चुनाव के लिए मतदान बृहस्पतिवार को हुआ था। वोटों की गिनती शुक्रवार सुबह शुरू हुई, जो खबर लिखे जाने तक जारी थी।

रामदास अठावले का बड़ा दावा, 'मुंबई का अगला मेयर महायुति से ही होगा'

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने शुक्रवार को विश्वास जताया कि मुंबई के मेयर महायुति गठबंधन से ही चुने जाएंगे। उन्होंने कहा कि बीएमसी चुनावों में अधिकांश सीटें महायुति गठबंधन को ही मिल रही हैं। अठावले ने कहा कि उद्धव ठाकरे के भाजपा और आरपीआई (ए) के साथ गठबंधन ने उन्हें दशकों तक मुंबई में सत्ता में बने रहने में मदद की। एएनआई से बात करते हुए अठावले ने कहा कि आज महाराष्ट्र भर में नगर निगम चुनावों के लिए मतगणना चल रही है। मुंबई की बात करें तो उद्धव ठाकरे 25-30 साल तक सत्ता में रहे। वे भाजपा के साथ गठबंधन में रहकर सत्ता में रहे। आज भाजपा देश की नंबर एक पार्टी है।

रामदास अठावले ने कहा कि आरपीआई(ए) 2012 से उद्धव ठाकरे के साथ थी, इसीलिए वे सत्ता में बने

रहे, लेकिन आज न तो भाजपा और न ही आरपीआई(ए) उनके साथ है। उद्धव ठाकरे ने अब राज ठाकरे के साथ गठबंधन किया है, जिससे उन्हें कुछ मराठी भाषी क्षेत्रों में फायदा मिलता दिख रहा है, लेकिन अधिकतर सीटें महायुति गठबंधन के खाते में जा रही हैं। मुंबई के मेयर महायुति गठबंधन से होंगे और मराठी भाषी होंगे।

महायुति गठबंधन, जिसमें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना शामिल है, ने बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) में अपनी बढ़त और मजबूत कर ली है। प्रारंभिक आंकड़ों से संकेत मिलता है कि गठबंधन मुंबई के 117 वार्डों में आगे चल रहा है। मुंबई में भाजपा 86 सीटों पर आगे है, जबकि शिवसेना 31 सीटों पर आगे है। शिवसेना (यूबीटी) गठबंधन 68 का आंकड़ा पार करने में कामयाब रहा है, जबकि महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) केवल 9 सीटों पर, यूबीटी सेना 58 सीटों पर और एनसीपी (एसपी) केवल 1 सीट पर आगे है। इसी तरह, अजीत पवार की एनसीपी भी 1 सीट पर आगे है, जबकि कांग्रेस पार्टी का प्रदर्शन निराशाजनक बना हुआ है और वह केवल 10 सीटों पर ही आगे है।

नितेश राणे का उद्धव ठाकरे पर निशाना, 'बुर्का वाली के मेयर बनने पर...'

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

बीएमसी समेत महाराष्ट्र के 29 महानगरपालिका के लिए मतगणना सम्पनन हो गया है। बीएमसी के साथ कई अन्य नगर निकायों में बीजेपी और उसके सहयोगी ने अच्छा प्रदर्शन किया है. इस बीच प्रदेश के मंत्री और बीजेपी नेता नितेश राणे ने अपनी प्रतिक्रिया दी है. न्यूज़ से बातचीत में उन्होंने कहा कि 'आई लव महादेव' और 'जय श्रीराम' का नारा ऊपर रखा. इस जीत का श्रय उनको जाता है. नितेश राणे ने उद्धव ठाकरे को भी घेरा.

नितेश राणे का उद्धव ठाकरे पर निशाना बातचीत में महाराष्ट्र के मंत्री नितेश राणे ने उद्धव ठाकरे पर निशाना साधते हुए कहा, ''कोई बुर्का वाली के मेयर बनने पर उनको एतराज नहीं था, तभी मुंबई वाले समझ गए थे कि ये बालासाहेब के विचारधारा वाले नहीं हैं, इसलिए

हिन्दू समाज ने उन्हें करारा जवाब दिया.''

मुंबई के हिन्दू समाज को जगाना जरूरी था- नितेश राणे

नितेश राणे ने आगे कहा, ''हम 'जय श्रीराम' का नारा देते हैं, 'आई लव महादेव' का नारा देते हैं तो हम पर पोलराइजेशन का आरोप लगता है. हिन्दू राष्ट्र है और इस देश में हिन्दुओं की तरफ से बोलने की कोई सजा नहीं है. हम कोई इस्लामाबाद या कराची में नहीं रह रहें हैं. मुंबई के हिन्दू समाज को जगाना बहुत जरूरी था, नहीं तो आज गली-गली में सर तन जुदा और 'आई लव मोहम्मद' के पोस्टर लगे होते.

सीएम फडणवीस ने विकास और सुरक्षा पर चुनाव लड़ा- राणे

महाराष्ट्र के मंत्री राणे ने ये भी कहा, ''हमारे मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने विकास और सुरक्षा पर चुनाव लड़ा था. हमारे हिन्दू देश में राष्ट्र भक्त मुसलमानों के लिए पूरी जगह है,

लेकिन इस मुंबई में एक भी बांग्लादेशी और रोहिंग्या नहीं रहेगा, अपना बैग पैक करने शुरू कर दिए होंगे. कोई भी घुसपैठिया हमारे मुंबई में नहीं रहेगा.''

'वन्दे मातरम' बोलने वाले मुसलमानों को तकलीफ नहीं- नितेश राणे

नितेश राणे ने आगे कहा, ''हमारे साथ 'वन्दे मातरम' बोलने वाले और हमारे त्यौहार मनाने वाले जो मुसलमान हैं, उनको कोई तकलीफ नहीं होगी. आज हर जगह 'जय श्रीराम' के नारे लगाए जा रहे हैं और हर जगह भगवा गुलाल उड़ाया जा रहा है. अगर मुसलमान भाई रास्ते में नमाज नहीं पढ़ेंगे तो उनको कोई तकलीफ नहीं होगी.''

महाराष्ट्र महानगरपालिका चुनाव के रुझानों या नतीजों में बीजेपी के नेतृत्व वाले गठबंधन ने बढ़त हासिल की है. बीएमसी चुनाव में महायुति ने बहुमत के आंकड़े को भी पार कर लिया है।

ठाकरे बंधुओं के गठबंधन पर बीजेपी का तंज, पाटिल बोले- 'जनता स्वार्थ समझ चुकी है'

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र के मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता चंद्रकांत पाटिल ने शुक्रवार को बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) के हाल ही में संपन्न हुए चुनावों में दो पूर्व-विमुख चचेरे भाइयों, उद्धव और राज ठाकरे के गठबंधन पर संदेह जताया। पाटिल ने दावा किया कि लोगों को शिवसेना (यूबीटी)-महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) का गठबंधन जनहित के बजाय स्वार्थपूर्ण उद्देश्यों से प्रेरित लग रहा है। पाटिल ने एएनआई से कहा कि चाहे ठाकरे भाई एक साथ आएं या कांग्रेस और एनसीपी गठबंधन करें, यह जनता के हित में नहीं है। लोगों को समझ आ गया है कि यह उनके अपने स्वार्थों के लिए है।

भाजपा-शिवसेना (एकनाथ शिंदे) गठबंधन पर विश्वास जताते हुए मंत्री ने कहा कि गठबंधन 114 सीटों के बहुमत के आंकड़े को पार कर जाएगा और बीएमसी में कुल 130 सीटें जीतने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, 'यह संख्या बढ़ सकती है, लेकिन घटेगी नहीं।' बीएमसी चुनावों के अलावा, महाराष्ट्र के 28 अन्य नगर निगमों में भी मतदान हुआ। इन निगमों के वोटों की गिनती जारी है। पुणे नगर निगम के नतीजों के बारे में पूछे जाने पर, पाटिल ने भाजपा की आरामदायक बढ़त बनाए रखने का भरोसा जताया। उन्होंने कहा कि मुंबई में भाजपा को 90 सीटें और शिवसेना को 40 सीटें मिलेंगी; यह संख्या बढ़ सकती है लेकिन घटेगी नहीं। पुणे में हमें 115 से कम सीटें नहीं मिलेंगी।

उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) ने राज ठाकरे के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) के साथ गठबंधन करने का फैसला किया था। यह गठबंधन 'मराठी पहचान को बचाने' के नारे पर आधारित था। राज्य चुनाव आयोग (एसईसी) के शुरुआती रुझानों से संकेत मिलता है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शहर की 38 सीटों पर आगे चल रही है, जहां पवार परिवार ने स्थानीय निकाय चुनावों में एक साथ चुनाव लड़ा था।

शुरुआती रुझानों के अनुसार, एनसीपी अब तक 5 सीटों पर आगे चल रही है, जबकि कांग्रेस किसी भी सीट पर बढ़त हासिल नहीं कर पाई है। पीएमसी और पीसीएमसी दोनों के पिछले चुनाव आठ साल पहले, 2017 में हुए थे। वर्तमान में केंद्रीय नागरिक उड्डयन और सहकारिता राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल नवंबर 2019 तक पुणे के महापौर रहे थे। इस बीच, मुंबई में बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) चुनावों में मतगणना के शुरुआती रुझानों के अनुसार, सुबह 11 बजे तक प्रारंभिक आंकड़ों के आधार पर भारतीय जनता पार्टी-शिव सेना महायुति गठबंधन लगभग 75 वार्डों में आगे चल रहा है।

सम्पादकीय

ईरान में बढ़ता संकट, भारत की चिंता बढ़ी - हवाई क्षेत्र बंद, भारतीय फंसे, चाबहार दांव पर

ईरान संकट गहरा गया है। अमेरिका के साथ तनाव बढ़ने के बीच उसने व्यावसायिक विमानों के लिए अपने हवाई क्षेत्र बंद कर दिए हैं। भारत के लिए यह संकट केवल एक दूरस्थ आंतरिक उथल-पुथल नहीं, बल्कि पश्चिम और मध्य एशिया में रणनीतिक, आर्थिक और भू-राजनीतिक हितों से सीधे तौर पर जुड़ा हुआ है। अमेरिका के साथ ईरान की कटुता को देखते हुए साफ है कि वहां के हालात बदतर होते गए हैं।

ऐसे में नई दिल्ली ने अपना राजनयिक दृष्टिकोण सतर्क और व्यावहारिक रखा। भारत ने ईरान के राजनीतिक नेतृत्व के साथ संपर्क बनाए रखा, ताकि रणनीतिक सहयोग को अल्पकालिक उथल-पुथल से बचाया जा सके। अब जबकि हालात बेकाबू हो रहे हैं, वहां फंसे दस हजार भारतीयों की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं।

विदेश मंत्रालय का कहना है कि उनके अधिकारी विभिन्न इलाकों में जाकर भारतीयों से संपर्क कर रहे हैं। उन्हें निकालकर स्वदेश लाने पर काम हो रहा है। तेहरान स्थित भारतीय दूतावास ने कहा है कि वहां से अपने नागरिकों को निकालने की तैयारी पूरी है और शुक्रवार को पहला जत्था भारत पहुंच जाएगा।

ईरान में सत्ता प्रतिष्ठान जनता और सूचना दोनों पर नियंत्रण खोने से चिंतित है। न सिर्फ नागरिकों का सवाल है, वहां के पूरे परिदृश्य ने भारत की चिंता हर तरह से बढ़ा दी है। भारत की सबसे बड़ी चिंता चाबहार बंदरगाह परियोजना है, जिसमें उसने करोड़ों डालर का निवेश किया है। यह परियोजना पाकिस्तान को दरकिनार करते हुए अफगानिस्तान, मध्य एशिया, रूस और यूरोप के लिए एक रणनीतिक प्रवेश द्वार का काम करती है। ईरान में लंबे समय से जारी अस्थिरता इस परियोजना की समयबद्धता और रणनीतिक महत्त्व को खतरे में डालती है, विशेष रूप से चाबहार-जाहेदान रेलवे लाइन को।

अशांत माहौल चीन को अपना प्रभाव बढ़ाने का अवसर भी दे सकता है, जिससे भारत की क्षेत्रीय और समुद्री स्थिति पर सवाल खड़े हो सकते हैं। क्षेत्रीय समीकरण के अलावा भारत के ऊर्जा हित भी दांव पर हैं, क्योंकि ईरान में राजनीतिक उथल-पुथल क्षेत्रीय ऊर्जा समीकरणों को बाधित कर सकती है और भविष्य के सहयोग को सीमित कर सकती है।

नई चिंता ट्रंप प्रशासन द्वारा ईरान के साथ व्यापार करने वाले देशों पर 25 फीसद शुल्क से जुड़ी है। इस साल भारत ब्रिक्स की अध्यक्षता कर रहा है। वह वैश्विक दक्षिण की आवाज उठाता रहा है। इस नाते उसकी भूमिका अहम हो जाती है। इसमें भारत के लिए चुनौती यह है कि वह अपने रणनीतिक हितों की रक्षा करे और वह भी ईरान के आंतरिक संघर्षों या महाशक्तियों की प्रतिद्वंद्विता में उलझे बिना। तेहरान की स्थिति जटिल दिख रही है। भारत और ईरान के रिश्ते कभी विचारधारा से संचालित नहीं रहे।

ये संबंध भूगोल, पहुंच और क्षेत्रीय संतुलन की जरूरत से बने हैं। ईरान में किसी भी तरह का बड़ा झटका भारत की वर्षों से साधी गई व्यापारिक राहों, कूटनीतिक समीकरणों और सुरक्षा गणनाओं को प्रभावित कर सकता है। यदि स्थिति और बिगड़ती है तो तेल बाजार में अस्थिरता, कीमतों में उछाल और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ना तय है। साथ ही, शरणार्थियों की अप्रत्याशित भीड़ और क्षेत्रीय सुरक्षा समीकरणों में बदलाव की आशंका को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

शक्ति, रणनीति और शहादत का संगम है भारतीय सेना

प्रतिवर्ष 15 जनवरी को भारतीय सेना दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष हम 78वां सेना दिवस मना रहे हैं। सेना दिवस के अवसर पर पूरा देश थलसेना के अदम्य साहस, जांबाज सैनिकों की वीरता, शौर्य और उसकी शहादत को याद करता है। इस विशेष अवसर पर जवानों के दस्ते और अलग-अलग रेजीमेंट की परेड के अलावा झांकियां भी निकाली जाती हैं और उन सभी बहादुर सेनानियों को सलामी दी जाती है, जिन्होंने देश और लोगों की सलामती के लिए अपना जीवन न्यौछावर कर दिया। 15 जनवरी को ही यह दिवस मनाए जाने का विशेष कारण यही है कि 1899 में कर्नाटक के कुर्ग में जन्मे लेफ्टिनेंट जनरल केएम करियप्पा आज ही के दिन वर्ष 1949 में भारतीय सेना के पहले कमांडर-इन-चीफ बने थे। उन्होंने 15 जनवरी 1949 को ब्रिटिश जनरल फ्रांसिस बुचर से भारतीय सेना की कमान संभाली थी। जनरल फ्रांसिस बुचर भारत के आखिरी ब्रिटिश कमांडर-इन-चीफ थे।1953 में वे भारतीय सेना से सेवानिवृत्त हुए और 94 वर्ष की आयु में 1993 में उनका निधन हुआ। केएम करियप्पा दूसरे ऐसे सेना अधिकारी थे, जिन्हें फील्ड मार्शल की उपाधि दी गई थी।

भारतीय थल सेना का गठन ईस्ट इंडिया कम्पनी की सैन्य टुकड़ी के रूप में कोलकाता में 1776 में हुआ था, जो बाद में ब्रिटिश भारतीय सेना बनी और देश की आजादी के बाद इसे 'भारतीय थल सेना' नाम दिया गया। भारतीय सेना की 53 छावनियां और 9 आर्मी बेस हैं और चीन तथा अमेरिका के साथ भारतीय सेना दुनिया की तीन सबसे बड़ी सेनाओं में शामिल है।

हमारी सेना संयुक्त राष्ट्र के शांति अभियानों में सबसे बड़ी योगदानकर्ताओं में से एक है। यह दुनिया की कुछेक ऐसी सेनाओं में से एक है, जिसने कभी भी अपनी ओर से युद्ध की शुरूआत नहीं की। भारतीय सेना के ध्वज का बैकग्राउंड लाल रंग का है, ऊपर बायीं ओर तिरंगा झंडा, दायीं ओर भारत का राष्ट्रीय चिह्न और तलवार हैं। सेना दिवस के अवसर पर सेना प्रमुख को सलामी दी जाती रही है लेकिन 2020 में पहली बार सेना प्रमुख के स्थान पर देश के प्रथम सीडीएस बने जनरल बिपिन रावत को सलामी दी गई थी।

देश की आजादी के बाद भारतीय सेना पांच बड़े युद्ध लड़ चुकी है, जिनमें चार पाकिस्तान के खिलाफ और एक चीन के साथ लड़ा था। देश की आजादी के बाद 1947-48 में हुए भारत-पाक युद्ध को 'कश्मीर युद्ध' नाम से भी जाना जाता है, जिसके बाद कश्मीर का भारत में विलय हुआ था। 1962 में चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी द्वारा धोखे से थाग-ला-रिज पर भारतीय सेना पर हमला बोल दिया गया था। उस जमाने में भातीय सेना के पास स्वचालित और आधुनिक हथियार नहीं होते थे, इसलिए चीन को रणनीतिक बढ़त मिली थी। 1965 के भारत-पाक युद्ध के बाद 1971 में भारतीय सेना ने पाकिस्तान को करारी शिकस्त दी थी। 13 दिनों तक चले उस युद्ध के बाद ही पाकिस्तान के टुकड़े कर बांग्लादेश का जन्म हुआ और पाकिस्तानी जनरल नियाजी के साथ 90 हजार पाक सैनिकों ने जांबाज भारतीय सेना के समक्ष हथियार डाल दिए थे। मई से जुलाई 1999 तक चले कारगिल युद्ध में तो भारतीय सेना ने पाकिस्तान को छठी का दूध याद दिला दिया था।

आज पूरी दुनिया भारतीय सेना का लोहा मानती है। आधुनिक हथियारों और प्रौद्योगिकी के साथ भारतीय सेना एक विश्वस्तरीय सेना है। सेना दिवस के महत्वपूर्ण अवसर पर चीन द्वारा वर्तमान में लगातार पेश की जा रही चुनौतियों के दौर में भारतीय सेना की निरन्तर बढ़ती ताकत का उल्लेख करना बेहद जरूरी है। 2025 की 'ग्लोबल फायरपावर रिपोर्ट' के अनुसार भारतीय सेना की गिनती दुनिया की चौथी सबसे बड़ी सेनाओं में की जाती है। इस रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय थल सेना के जखीरे में कई तरह के आधुनिक हथियार शामिल हैं, जिनमें आधुनिक टैंकों के साथ बैलिस्टिक मिसाइलें भी हैं। भारत की थल सेना के पास चार हजार से अधिक टैंक हैं। इसके अलावा भारतीय सेना के जखीरे में एक लाख से अधिक आर्म्ड व्हीकल भी शामिल हैं। थल सेना के पास 100 सेल्फ प्रोपेल्ड आर्टिलिरी, 3300 हल्की आर्टिलिरी भी हैं तथा थल सेना के बेड़े में करीब 1500 रॉकेट आर्टिलरी भी शामिल हैं।

भारतीय सैन्यबल में 14.45 लाख सक्रिय सैन्यकर्मी हैं, जो दुनिया में दूसरे नंबर पर है। सेना में 12 लाख से ज्यादा आरक्षित बल तथा बीस लाख अर्धसैनिक बल हैं। भारतीय थलसेना में 4600 से ज्यादा टैंक टी-72, टी-90, अर्जुन एमके-1, अर्जुन एमके-2 इत्यादि टैंक, 5 हजार से ज्यादा तोपें, 290 स्वचालित तोपें, 290 से ज्यादा रॉकेट तोपें तथा 8600 बख्तरबंद वाहन शमिल हैं। रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि भारतीय थलसेना हर परिस्थिति में चीनी सेना से बेहतर और अनुभवी है, जिसके पास युद्ध का बड़ा अनुभव है, जो कि विश्व में शायद ही किसी अन्य देश के पास हो। भले ही चीन के पास भारत से ज्यादा बड़ी सेना और सैन्य साजो-सामान है लेकिन आज के परिप्रेक्ष्य में दुनिया में किसी के लिए भी इस तथ्य को नजरअंदाज करना संभव नहीं हो सकता कि भारत की सेना को अब धरती पर दुनिया की सबसे खतरनाक सेना माना जाता है और सेना के विभिन्न अंगों के पास ऐसे-ऐसे खतरनाक हथियार हैं, जो चीनी सेना के पास भी नहीं हैं। धरती पर लड़ी जाने वाली लड़ाईयों के लिए भारतीय सेना की गिनती दुनिया की सर्वश्रेष्ठ सेनाओं में होती है और कहा जाता है कि अगर किसी सेना में अंग्रेज अधिकारी, अमेरिकी हथियार और भारतीय सैनिक हों तो उस सेना को युद्ध के मैदान में हराना असंभव होगा।

जापान के एक आकलन के मुताबिक भारतीय थलसेना चीन के मुकाबले ज्यादा मजबूत है। इस रिपोर्ट के अनुसार हिन्द महासागर के मध्य में होने के कारण भारत की रणनीतिक स्थिति बेहद महत्वपूर्ण है और दक्षिण एशिया में अब भारत का काफी प्रभाव है। अमेरिकी न्यूज वेबसाइट सीएनएन की एक रिपोर्ट में भी दावा किया जा चुका है कि भारत की ताकत पहले के मुकाबले बहुत ज्यादा बढ़ गई है और युद्ध की स्थिति में भारत का पलड़ा भारी रह सकता है। बोस्टन में हार्वर्ड केनेडी स्कूल के बेलफर सेंटर फॉर साइंस एंड इंटरनेशनल अफेयर्स तथा वाशिंगटन के एक अमेरिकी सुरक्षा केन्द्र के अध्ययन में कहा जा चुका है कि भारतीय सेना उच्च ऊंचाई वाले इलाकों में लड़ाई के मामले में माहिर है और चीनी सेना इसके आसपास भी नहीं फटकती।

संकल्प की शक्ति, साधारण मनुष्य कैसे बनता है असाधारण विजेता

संकल्प अंतर्मन में उत्पन्न होने वाली एक ऐसी अद्भुत शक्ति है, जो जीवन की कठिन से कठिन परिस्थितियों पर विजय प्राप्त करने और साथ ही दुस्साध्य लक्ष्य को भी भेदने में समर्थ होती है। दरअसल, संकल्प हमारे मन-मस्तिष्क की एक विशेष अवस्था है, जिसमें हमारा मन चरम उत्साह के साथ-साथ अथक परिश्रम और प्रयत्न के भाव से ओत-प्रोत रहता है। ये विशिष्ट भाव अंतर्मन को तीव्र गति प्रदान करते हैं और परिणामस्वरूप हमारा अंतर्मन शरीर को त्वरित प्रयास के लिए निर्दिष्ट करते हुए लक्ष्य के साधन को सफल बनाता है। परिस्थितियों की प्रतिकूलता, मार्ग की कठिनता एवं संसाधनों की सीमा, ये सभी प्रतिकूल कारक संकल्प की शक्ति के आगे प्रभावहीन हो जाते हैं।

संकल्प हमारे भीतर लक्ष्य के प्रति एक सशक्त प्रतिबद्धता का उदय करता है और उस दशा में हम समस्त बाधाओं को दरकिनार करते हुए निरंतर आगे की ओर उन्मुख होते हैं। संकल्प सही अर्थों में एक ऐसा मानसिक अनुबंध है, जो मनुष्य स्वयं से करता है। जब कोई व्यक्ति संकल्प लेता है, तो वह केवल विचार ही नहीं करता, बल्कि अपने विचारों, कर्मों और समय को एक दिशा में केंद्रित करते हुए अपनी यात्रा आरंभ करता है। संकल्प से ही विचार कर्म में और कर्म उपलब्धि में रूपांतरित होता है। बिना संकल्प के जीवन दिशाहीन हो जाता है और दिशाहीनता असफलता को जन्म देती है। संकल्प जीवन को एक निश्चित उद्देश्य प्रदान करते हुए उसमें सार्थकता का समावेश करता है।

आज के परिवेश में, जबकि विकल्पों की भरमार है और विशेष बात यह कि ध्यान को विचलित करने वाले कारक प्रत्येक स्थान एवं परिस्थिति में उपस्थित हैं, संकल्प का महत्त्व विशिष्ट हो जाता है। आमतौर पर मनुष्य स्वप्न तो बहुत देखता है, लेकिन उन्हें साकार करने के लिए प्रयत्न एवं कर्म करने में सर्वथा असफल रहता है। यही वजह है कि मनुष्य निराशा से घिर जाता है। दरअसल, समस्या सामर्थ्य की नहीं, संकल्प के अभाव की होती है। दृढ़ संकल्प साधारण व्यक्ति को भी असाधारण बना देता है।

भारतीय संस्कृति में संकल्प को विशेष महत्त्व दिया गया है। हमारे शास्त्रों में 'संकल्प शक्ति' को ईश्वर की प्राप्ति का माध्यम माना गया है। जब व्यक्ति किसी व्रत को धारण करता है, तब वह अपने मन को नियंत्रित करते हुए पूरी तरह लक्ष्य पर केंद्रित करता है। यही कारण है कि महापुरुषों, मुनियों एवं साधकों ने कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी अपने संकल्प से बिना विचलित हुए समाज को नई दिशा प्रदान की।

संकल्पशीलता के अनेक उदाहरण इतिहास के महासागर में विद्यमान हैं। महात्मा गांधी का सत्य और अहिंसा का संकल्प, भगत सिंह का स्वतंत्रता के लिए बलिदान का संकल्प, भीमराव आंबेडकर का सामाजिक न्याय का संकल्प, इन सभी ने न केवल अपने जीवन को सार्थक बनाया, बल्कि संपूर्ण राष्ट्र को दिशा दी। संकल्प व्यक्ति के चरित्र को भी निर्मित करता है।

संकल्प पर अडिग व्यक्ति आत्मविश्वास से भरा होता है। उसे अपने कर्म एवं निर्णयों पर पूरा विश्वास होता है और वह असफलताओं से भय से लेशमात्र भी घबराता नहीं। असफलता उसके लिए अंत नहीं, बल्कि एक शिक्षा और नई शुरुआत होती है। संकल्पशील व्यक्ति असफलता मिलने पर भी कहीं अधिक दृढ़ता से उठता है।

इसके विपरीत, क्षीण संकल्प वाला व्यक्ति छोटी-सी बाधा आने पर ही निराश हो जाता है और प्रयत्न को त्याग देता है। सामाजिक जीवन में संकल्प व्यक्ति को उत्तरदायित्व का बोध कराता है। जब कोई व्यक्ति समाज के प्रति अपने कर्तव्यों का संकल्प लेता है, तब वह केवल अपने हित तक ही सीमित नहीं रहता, बल्कि दूसरों के कल्याण के लिए भी तत्पर रहता है।

दृढ़ संकल्प के माध्यम से ही समाज में सकारात्मक परिवर्तन संभव है। यह सच है कि बड़े परिवर्तन हमेशा लघु संकल्पों से ही प्रारंभ होते हैं। व्यक्तिगत जीवन में संकल्प आत्म परिवर्तन और आत्म-परिष्कार का माध्यम है। अवगुणों को त्यागते हुए सद्गुणों से युक्त स्वस्थ जीवन शैली को अपनाने के लिए संकल्प नितांत आवश्यक है।

परिवर्तन केवल इच्छामात्र से नहीं घटित होता, बल्कि दृढ़ निश्चय और निरंतर प्रयास से संभव हो पाता है। जब व्यक्ति जीवन को सुंदरता और सार्थकता प्रदान करने के लिए स्वयं से वचनबद्ध होता है, तभी वास्तविक परिवर्तन की शुरुआत होती है। यह भी एक कटु सत्य है कि संकल्प को बनाए रखना आसान नहीं होता।

समय और परिस्थितियां उत्साह को क्षीणता की ओर अग्रसर करते हैं, बाधाओं को बढ़ा सकते हैं। ये कर्म और प्रयत्न के तारतम्य को भी बाधित करते हैं। ऐसी दशा में आत्मचिंतन और आत्मप्रेरणा आवश्यक हो जाती है। व्यक्ति को संकल्प का स्मरण कर उसके उद्देश्य को फिर से समझते हुए कर्म की निरंतता को किसी भी तरह बनाए रखना चाहिए।

संकल्प जितना स्पष्ट और दृढ़ होगा, लक्ष्य को साधना उतना ही आसान होगा। कहा जा सकता है कि संकल्प मानव जीवन की वह आधारशिला है, जिस पर सफलता, चरित्र और सार्थकता का भवन खड़ा होता है। संकल्प के साथ साधारण क्षमता भी असाधारण उपलब्धियों को अर्जित कर सकती है।

संकल्प व्यक्ति को परिस्थितियों का दास नहीं, बल्कि उनका स्वामी बनाता है। जीवन की प्रत्येक चुनौती संकल्प की कसौटी है और प्रत्येक उपलब्धि संकल्प की विजय। इसलिए आवश्यक है कि हम अपने जीवन में संकल्प की शक्ति को पहचानते हुए उसे लगातार विकसित करें। छोटे-छोटे संकल्पों से आरंभ करते हुए धीरे-धीरे बड़े लक्ष्यों की ओर बढ़ें। जब संकल्प सशक्त होगा, तब जीवन अपने आप ही सशक्त होता जाएगा। यही संकल्प की वास्तविक महत्ता है।

डिग्री से आगे की दुनिया, क्या हुनर बन रहा है सफलता की असली पहचान?

समय की गति बहुत तेज है और इस बदलाव के साथ ही जीने और काम करने के तरीके भी पूरी तरह बदल चुके हैं। बहुत समय से समाज में यह बात गहराई से बैठी हुई थी कि अगर जीवन में सफल होना है, तो एक बड़ी डिग्री का होना सबसे जरूरी है। मगर अब चारों तरफ यह चर्चा हो रही है कि आने वाले समय में सिर्फ डिग्री पाना ही काफी नहीं होगा। कौशल विकास का पैमाना अहम होगा। ऐसे में क्या डिग्री की प्रासंगिकता का सवाल उन करोड़ों छात्रों और अभिभावकों के लिए उठ खड़ा हुआ है, जो अपनी मेहनत की कमाई और जीवन का कीमती समय एक डिग्री हासिल करने में लगा देते हैं। पहले यह माना जाता था कि स्कूल और कालेज की पढ़ाई खत्म करने के बाद जो प्रमाणपत्र मिलता है, वही उज्ज्वल भविष्य की एकमात्र चाबी है, लेकिन अब वह चाबी अपनी चमक खो रही है। दुनिया उस दिशा में आगे बढ़ रही है, जहां इस बात से ज्यादा फर्क पड़ता है कि किसी को काम क्या आता है, वह कितनी कुशलता से उसे पूरा कर सकता है।

भारत की शिक्षा व्यवस्था में हाल ही में जो बड़े बदलाव किए गए हैं, उनका मुख्य उद्देश्य भी इसी पुरानी सोच को बदलना है। पुराने समय की पढ़ाई ऐसी थी, जैसे सबको एक ही सांचे में ढालने की कोशिश की जा रही हो। इसे अक्सर 'मैकाले की शिक्षा पद्धति' कहा जाता था, जिसका काम केवल सरकारी और निजी दफ्तरों के लिए एक जैसे कर्मचारी तैयार करना था।

उस व्यवस्था में छात्रों की अपनी रुचि और उनकी छिपी हुई प्रतिभा के लिए बहुत कम जगह थी। मगर अब सोच पूरी तरह बदल रही है। शिक्षा मंत्री ने भी हाल में कहा कि अब देश को केवल डिग्री बांटने वाले संस्थानों की नहीं, बल्कि हुनर भी सिखाने वाले केंद्रों की जरूरत है। आज के समय में अंतरराष्ट्रीय कंपनियां नौकरी देते समय कालेज का नाम या डिग्री का साल नहीं पूछतीं, बल्कि यह देखती हैं कि सामने वाला व्यक्ति उनकी चुनौतियों को सुलझाने की क्षमता रखता है या नहीं। अब एक हुनरमंद व्यक्ति, जिसके पास कोई बहुत बड़ी डिग्री नहीं है, वह भी अपनी मेहनत और योग्यता के दम पर ऊंचे मुकाम पर पहुंच सकता है।

पहले अगर कोई छात्र कालेज की पढ़ाई किसी मजबूरी के कारण बीच में छोड़ देता था, तो उसे अच्छा नहीं समझा जाता था और उसके पिछले साल भी पूरी तरह बेकार चले जाते थे, लेकिन अब ऐसी व्यवस्था बनाई गई है कि छात्र का एक भी दिन बेकार नहीं जाएगा। अब अगर कोई एक साल पढ़ाई करके छोड़ता है, तो उसे प्रमाणपत्र मिलेगा और अगर दो साल बाद छोड़ता है, तो डिप्लोमा दिया जाएगा। यह बड़ी राहत की बात है। यह इस बात की स्वीकृति है कि सीखना कभी बेकार नहीं जाता और इंसान का हर अनुभव उसकी एक अलग योग्यता है।

इससे छात्रों पर यह मानसिक दबाव काफी कम हुआ है कि उन्हें हर हाल में लगातार तीन या चार वर्ष तक एक ही कमरे में बैठ कर पढ़ाई पूरी करनी ही है। अब वे अपनी जरूरत और परिस्थिति के हिसाब से पढ़ाई कर सकते हैं और जब भी चाहें वापस आकर अपनी शिक्षा पूरी कर सकते हैं।

भारत जैसे विशाल देश में जहां हर वर्ष लाखों युवा अपनी पढ़ाई पूरी करते हैं, वहां सभी को सरकारी नौकरी नहीं मिल सकती। इसीलिए अब कौशल विकास पर जोर दिया जा रहा है। स्कूलों में छठी कक्षा से ही बच्चों को ऐसी चीजें सिखाई जा रही हैं जो उन्हें कामकाज के लिए तैयार करती हैं।

चाहे वह कंप्यूटर कोडिंग हो, बिजली का काम हो, बढ़ई का काम हो या कोई और हस्तशिल्प। अब इन सबको पढ़ाई का जरूरी हिस्सा माना जा रहा है। पहले इन कामों को छोटा समझा जाता था, लेकिन अब यह समझ विकसित हो रही है कि कोई भी काम छोटा या बड़ा नहीं होता, बस उसे करने की विशेषज्ञता और उसमें हासिल की गई महारत मायने रखती है।

ऐसे में एक अच्छा मैकेनिक या कलाकार किसी औसत डिग्रीधारी से कहीं ज्यादा बेहतर जीवन जी सकता है। यानी शिक्षा के साथ-साथ कौशल विकास अब समय की मांग और जरूरत बनता जा रहा है। कृत्रिम मेधा (एआइ) के आने से डिग्रियों का मोल और भी कम हुआ है। जो काम पहले लोग वर्षों किताबी पढ़ाई के बाद करते थे, वह अब कंप्यूटर और मशीनें कुछ ही सेकंड में और कहीं ज्यादा सटीकता से कर लेती हैं।

ऐसे में वह सब सीखना अब और भी जरूरी हो गया है जो मशीनें कभी नहीं कर सकतीं। जैसे कि नई और मौलिक सोच, दूसरों की भावनाओं को समझना, टीम के साथ मिल कर काम करना और मुश्किल हालातों में सही फैसला लेना।

ये ऐसी मानवीय खूबियां हैं जिन्हें किसी किताब को रट कर या कोई परीक्षा पास करके हासिल नहीं किया जा सकता। इन्हें सीखने के लिए निरंतर अनुभव, गलतियों से सबक लेने की इच्छा और लगातार अभ्यास की जरूरत होती है।

इसलिए भविष्य की शिक्षा में अब 'क्या पढ़ना है' के बजाय 'सीखने की प्रक्रिया' पर ध्यान देने की जरूरत है। अब हर किसी को पूरी जिंदगी एक सक्रिय छात्र बने रहना होगा, क्योंकि जो तकनीक आज नई है, वह कल पुरानी हो जाएगी। पुरानी डिग्री की ताकत केवल शिक्षण संस्थान तक थी, लेकिन हुनर की ताकत पूरी जिंदगी साथ रहती है। एक बहुत अच्छी डिग्री वाला व्यक्ति भी कभी-कभी जीवन की दौड़ में पीछे छूट जाता है और बेरोजगार बैठा रहता है, जबकि अब एक हुनरमंद व्यक्ति अपना छोटा सा काम शुरू करके भी सफलता की ऊंचाइयों को छू रहा है।

इससे समाज की वह पुरानी सोच टूट रही है जो केवल डाक्टर, इंजीनियर या आइएएस बनने को ही सफल जीवन का पैमाना मानती थी। एक पहलू यह भी है कि आने वाले समय में कंपनियां डिग्री के बजाय वह काम दिखाने के लिए कहेंगी जो वास्तव में पहले किया है।

उदाहरण के लिए, अगर कोई ग्राफिक डिजाइनर बनना चाहता है, तो उसकी डिग्री से ज्यादा यह देखा जाएगा कि उसने अब तक कौन-कौन से डिजाइन बनाए हैं। यानी जो सच में काबिल होगा, अब वही आगे बढ़ पाएगा। यह व्यवस्था उन लोगों के लिए वरदान है जो आर्थिक रूप से कमजोर हैं और बड़े कालेजों की फीस नहीं भर सकते, लेकिन जिनमें कुछ कर दिखाने का जज्बा है।

बहरहाल, डिग्री पूरी तरह से गायब तो नहीं होगी, लेकिन उसका पुराना स्वरूप जरूर खत्म हो जाएगा। वह अब केवल करिअर की शुरुआत का एक छोटा सा रास्ता बन कर रह जाएगी, मंजिल नहीं। असली पहचान हमेशा उस काम से होगी जो कोई व्यक्ति अपनी मेहनत और कौशल से जमीन पर करके दिखाएगा। आने वाला सुनहरा समय उन लोगों का है, जो खुद को समय के साथ बदलने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं और जो कभी यह नहीं सोचते कि उनकी पढ़ाई और सीखने का समय खत्म हो गया है।

कागजों के भारी बोझ को अब कंधों से उतार कर हुनर के पंख फैलाने का सही वक्त आ गया है। शिक्षा का असली और एकमात्र अर्थ भी यही है कि वह इंसान को आत्मनिर्भर, जागरूक और एक जिम्मेदार नागरिक बनाए।

ईंट भट्ठे पर बार-बार चोरी पुलिस की चुप्पी से ग्रामीणों में दहशत

मंत्र भारत संवाददाता

थरवई। थाना क्षेत्र के मेडुआ गांव में संचालित एक ईंट भट्ठे पर लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से इलाके में दहशत और आक्रोश का माहौल है। चोरों के हौसले इतने बुलंद हैं कि एक के बाद एक वारदात के बावजूद अब तक किसी भी मामले में पुलिस कार्रवाई नहीं हो सकी है।सराय इनायत थाना क्षेत्र के नसीरापुर गांव निवासी सौरभ सिंह पुत्र बेला सिंह कई वर्षों से मेडुआ गांव में आरडीएस ईंट उद्योग के नाम से ईंट भट्ठे का संचालन कर रहे हैं। पीड़ित के अनुसार 8 जनवरी 2026 की रात अज्ञात चोर ईंट भट्ठे से 5 हॉर्स पावर का डीजल पंपिंग सेट चोरी कर ले गए। इसके बाद 11 जनवरी 2026 की रात बदमाशों ने भट्ठे पर कार्यरत दो मजदूरों के चार महंगे मोबाइल फोन भी पार कर दिए।

भट्ठा संचालक का कहना है कि यह पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी चोर भट्ठे पर खड़े ट्रैक्टर और ट्रक से टूल्स, कपलिंग, बैटरी, गैस सिलेंडर व चूल्हा समेत अन्य सामान चोरी कर चुके हैं। लगातार हो रही घटनाओं से भट्ठा संचालक और मजदूरों में भय का माहौल है।पीड़ित सौरभ सिंह ने थरवई थाना में अज्ञात बदमाशों के खिलाफ लिखित तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

ज्योतिषपीठ शंकराचार्य के नेतृत्व में यात्रा के दूसरे दिन 170 शिविर में पहुँची 'गौ प्रतिष्ठा प्रेरणा यात्रा', संतों से किया संवाद

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। माघ मेला प्रयागराज में चल रही 'गौ प्रतिष्ठा प्रेरणा यात्रा निरंतर गतिशील है दूसरे दिन आज अत्यंत सफल एवं जनजागरणकारी रही।

यात्रा का शुभारंभ 10 बजे अक्षयवट मार्ग स्थित महात्यागी बाबा शिविर से हुआ । यात्रा के अंतर्गत आज कुल 170 शिविरों में पहुँचकर शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती जी द्वारा संत समाज, तपस्वियों, संगठनों तथा श्रद्धालुओं से संवाद स्थापित किया गया तथा सनातन जीवन-पद्धति में गौ माता के स्थान, महत्व और संरक्षण पर विचार-विमर्श हुआ।

यात्रा के दौरान जगदुरु शंकराचार्य स्वयं अपने अनुनायीयों के साथ विभिन्न शिविरों में विराजमान संतों को गौ रक्षा हेतु प्रेरित किया। संवाद के उपरांत जगतगुरु शंकराचार्य जी ने स्पष्ट कहा कि– 'बिना गौ माता के हिन्दू धर्म की कल्पना नहीं कर सकते, वही हमारे धर्म, संस्कृति और परंपरा का मूल है।' उन्होंने आगे कहा कि गौ संरक्षण केवल

भावनात्मक विषय नहीं, बल्कि सभ्यता, कृषक-जीवन, आयुर्वेद और धर्म का आधार है।

अनेक शिविरों में उपस्थित संतों ने गौ आधारित कृषि, गौवंशीय उत्पाद, एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत की सांस्कृतिक आत्मा गौ माता से जुड़ी है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि गौ रक्षा को संकल्प से जोड़ा जाए, न कि केवल विचार से। यात्रा का समापन 2 बजे महावीर मार्ग स्थित सतुआ बाबा जी के शिविर में हुआ ।

राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी शैलेन्द्र योगिराज सरकार ने बताया कि आज की यात्रा में संतों, विचारकों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिनमें दंडी संन्यासी स्वामी प्रत्यक्चैतन्य मुकुंदानंद गिरी जी, स्वामी अप्रमेय शिवशाक्षत कृतानंद जी, पूर्व मंत्री महामंडलेश्वर कंप्यूटर बाबा, ब्रह्मचारी सहजानंद जी, ब्रह्मचारी तीर्थानंद जी, ब्रह्मचारी श्रवणानंद जी, अखिलेश ब्रह्मचारी, देवेन्द्र पांडे गोप जी, कमलेश कुकरेती, सक्षम सिंह योगी, जलयोद्धा आर्य शेखर जी, आचार्य मानव, संत भारत दास जी, राम त्रिपाठी जी, विमल कृष्ण जी, अंगद पांडे जी, आदेश सोनी, पियूष तिवारी सहित सैकड़ों भक्त उपस्थित रहे।

यात्रा के समापन पर मीडिया प्रभारी – शैलेंद्र योगीराज ने बताया कि– 'गौ प्रतिष्ठा प्रेरणा यात्रा का उद्देश्य केवल भावनात्मक उद्वेलन नहीं बल्कि समाज में कर्तव्यबोध जगाना है। आज 170 शिविरों में संवाद हुआ है और आने वाले दिनों में माघ क्षेत्र के प्रत्येक शिविर तक यह संदेश पहुँचाने का संकल्प है।' माघ मेला परिसर में यह यात्रा लगातार गतिशील रहेगी तथा आने वाले दिनों में संवाद, संकल्प एवं प्रेरणा का दायरा और व्यापक बनाने की योजना है।

मानव के लिए परम धर्म है निष्काम भक्ति : स्वामी ब्राह्मश्रम महराज

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। अखिल भारतीय दण्डी संन्यासी परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष पीठाधीश्वर स्वामी ब्राह्मश्रम महराज ने श्रीमदभागवद कथा के दूसरे दिन बताया कि मानव के लिए परम धर्म है कि वह ईश्वर की निष्काम भक्ति करें इससे उसे उन्नति के साथ मोक्ष की प्राप्ति करें। उन्होंने कथा में भगवान की शरणागति, उत्तरा के गर्भ में शिशु की रक्षा करना, परीक्षित को वरदान देने के प्रसंग पर विस्तार से कथा सुनाई। कथा के दौरान अन्य विविध प्रसंगों पर कथा सुनाई और लोगों को धर्म के प्रति जागरूक करते हुए जोडा। शिविर के व्यवस्थापक आचार्य कपिल शुक्ला ने बताया कि शिविर में माघी पूर्णिमा तक जलपान, चाय वितरण और भण्डारा चलता रहेगा।

देहदान कर विदा हुए कवि, आलोचक राजेंद्र कुमार

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। वरिष्ठ कवि, आलोचक और संस्कृतिकर्मी राजेंद्र कुमार का 83 वर्ष की अवस्था में निधन हो गया। उन्होंने एलनगंज स्थित अपने आवास पर गुरुवार रात करीब दो बजे अंतिम सांस ली। शुक्रवार को दोपहर में उनके पार्थिव शरीर को मेडिकल कॉलेज को सुपुर्द कर अंतिम विदाई दी गई। सालभर से कैंसर से लड़ते-इलाज कराते राजेंद्र कुमार आगरा, मुंबई और दिल्ली में रहे लेकिन अंत के दिनों में कर्मभूमि प्रयागराज आ गए। उनके निधन की सूचना मिलते ही प्रशंसकों, साहित्य प्रेमियों का तांता लग गया। उनकी इच्छा के अनुसार समयानुसार उनका देहदान किया गया। घर से मेडिकल कॉलेज तक उन्हें श्रद्धांजलि देने वालों में इलाहाबाद विश्वविद्यालय के हिन्दी, उर्दू, अंग्रेजी विभागों के प्राध्यापक, छात्र-शोधार्थी, साहित्यकार, पत्रकार, तीनों लेखक संगठनों, कर्मचारी संघों और जिला प्रशासन के प्रतिनिधि, अधिवक्ता समाज के लोग शामिल रहे।

वह अपने पीछे दो बेटे-बहुओं का भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। 24 जुलाई 1943 को कानपुर में जन्मे राजेंद्र कुमार ने इलाहाबाद विश्वविद्यालय से मास्टर डिग्री और पीएचडी की डिग्री प्राप्त की थी। यहीं

अध्यापन किया, हिंदी विभाग के अध्यक्ष भी रहे। जन संस्कृति मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे राजेंद्र कुमार ने अभिप्राय, बहुवचन पत्रिकाओं और साही के बहाने, आलोचना का विवेक, प्रेमचंद की कहानियां, स्वाधीनता की अवधारणा और निराला, अमन बनाम आतंक पुस्तकों का संपादन किया। युवा काल में थियेटर से जुड़े और कई नाटकों में अभिनय किया। ऋण गुणा ऋण, लोहा-लक्कड़, उदासी का ध्रुपद, हर कोशिश एक बगावत है (कविता संग्रह), यथार्थ और कथार्थ, कविता का समय-असमय, आलोचना आसपास, साहित्य में सृजन के आयाम और विज्ञानवादी दृष्टि (आलोचना) उनकी प्रसिद्ध रचनाएं हैं। व्यापक साहित्यिक योगदान के लिए उन्हें उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान पुरस्कार, गणेशशंकर विद्यार्थी, सम्मान, कुंवरपाल सिंह स्मृति सम्मान, मीरा स्मृति सम्मान प्रदान किया गया।

पुरानी रंजिश में युवक की हथौड़े से हत्या, सड़क किनारे फेंका शव

प्रयागराज। पुरानी रंजिश के चलते युवक की बेरहमी से हत्या कर शव सड़क किनारे फेंक दिए जाने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। घटना के विरोध में आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने करछना-कोहड़ार मार्ग पर चक्काजाम कर आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की। पुलिस के त्वरित हस्तक्षेप और आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद करीब दो घंटे में जाम समाप्त कराया गया। थाना क्षेत्र के भुंडा गांव निवासी 35 वर्षीय आशीष शर्मा दो भाइयों में सबसे बड़ा था और खेतीबाड़ी कर अपने दो बच्चों व परिवार का भरण-पोषण करता था। वह गुरुवार शाम करीब सात बजे बाइक से भड़ेवरा बाजार जाने की बात कहकर घर से निकला था। देर रात तक घर नहीं लौटने पर परिजन उसकी तलाश करते रहे। शुक्रवार सुबह करीब सात बजे धरवारा गांव के पास सड़क किनारे खून से लथपथ हालत में उसका शव मिला। करछना पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इधर, हत्या की खबर फैलते ही मृतक के परिजन और ग्रामीण आक्रोशित हो उठे और भुंडा मोड़ के पास करछना-कोहड़ार मार्ग जाम कर दिया। जाम से मार्ग के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। एसीपी सुनील कुमार सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और आक्रोशित लोगों को समझाया। परिजनों की मांग पर नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनकी गिरफ्तारी के बाद जाम समाप्त कराया गया। एसीपी सुनील कुमार सिंह ने बताया कि मृतक के भाई मनीष शर्मा की तहरीर पर हलीम अली पुत्र हौशीर अली निवासी भुंडा व गुलाब विश्वकर्मा निवासी केचुहा और एक अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। दोनों नामजद आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। पूछताछ में आरोपियों ने पुरानी रंजिश के चलते हथौड़े से सिर पर प्रहार कर हत्या किए जाने की बात कबूल की है।

मंडलायुक्त और पुलिस आयुक्त द्वारा कमर्शियल टेंट सिटी का किया उद्घाटन

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। माघ मेला 2026 के दौरान प्रयागराज आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों को बेहतर सुविधाएँ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मेला प्रशासन निरंतर प्रयासरत है। इसी क्रम में मेला प्राधिकरण के तत्वाधान में प्रयागराज विकास प्राधिकरण द्वारा अरैल क्षेत्र में कमर्शियल टेंट सिटी का निर्माण किया गया है, ताकि यात्रियों को सुरक्षित, सुव्यवस्थित और आरामदायक ठहराव की सुविधा मिल सके। यह टेंट सिटी माघ मेला में आने वाले श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को ध्यान में रखते हुए विकसित की गई है।

इस कमर्शियल टेंट सिटी का उद्घाटन आज मंडलायुक्त श्रीमती सौम्या अग्रवाल एवं पुलिस आयुक्त प्रयागराज जोगेंद्र कुमार द्वारा किया जाएगा। अरैल क्षेत्र में इस वर्ष पर्यटन विभाग एवं निजी ऑपरेटर्स के सहयोग से वेलनेस सेंटर एवं अन्य टेंट सिटी भी स्थापित की गई हैं, जो शिवालय पार्क एवं त्रिवेणी पुष्प के बीच स्थित हैं। इन सुविधाओं के माध्यम से श्रद्धालुओं को न केवल आवास बल्कि स्वास्थ्य एवं योग से जुड़ी सेवाएँ भी उपलब्ध कराई जाएँगी। इस अवसर पर अपर पुलिस आयुक्त अजयपाल शर्मा, मेलाधिकारी ऋषिराज, नगर आयुक्त साँई तेजा, अपर मेला अधिकारी दयानंद प्रसाद, सचिव विकास प्राधिकरण अजीत सिंह, उप मेलाधिकारी विवेक शुक्ला एवं अभिनव पाठक उपस्थित रहे।

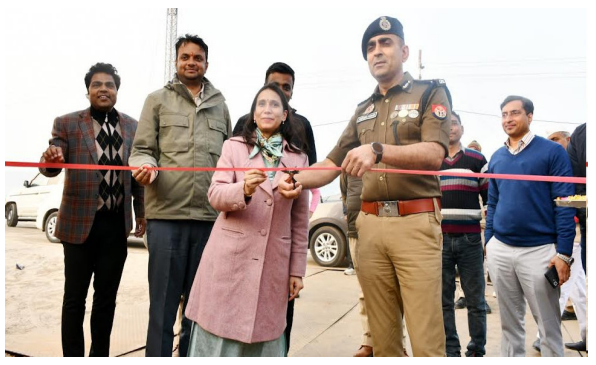

सुरेश त्रिपाठी को उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ का प्रदेश अध्यक्ष निर्वाचित होने पर अभिनंदन कार्यक्रम आयोजित

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ द्वारा संगठन के प्रदेश अध्यक्ष सुरेश त्रिपाठी के पुनः सर्व सहमति से प्रदेश अध्यक्ष निर्वाचित होने पर कर्नलगंज इंटर कॉलेज के सभागार में अभिनंदन कार्यक्रम आयोजित किया गया अभिनंदन कार्यक्रम में जनपद के कोने-कोने से 500 से अधिक शिक्षक/प्रधानाचार्य उपस्थित हुए कार्यक्रम की अध्यक्षता और संचालन संगठन के जिलाध्यक्ष अनुज कुमार पांडेय ने किया अभिनंदन कार्यक्रम के साथ-साथ संगठन के संस्थापक तथा शिक्षक संघर्षों के नायक परम श्रद्धेय ओम प्रकाश शर्मा की पुण्यतिथि पर सभी ने उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण तथा पुष्पांजलि अर्पित किया इस अवसर पर अपने संबोधन में सुरेश कुमार त्रिपाठी ने कहा परम श्रद्धेय ओम प्रकाश शर्मा का शिक्षक आंदोलन में योगदान अविस्मरणीय है उन्होंने शिक्षकों को उपलब्धियां की नवीन ऊंचाई तक पहुंचाया शिक्षकों ने मुझे जो यह प्रदेश अध्यक्ष का दायित्व दिया है मैं अपने पूरी क्षमता से शिक्षकों की अपेक्षाओं को पूरा करने का प्रयास करूंगा अपने संबोधन में जिलाध्यक्ष अनुज कुमार पांडेय ने कहा जनपद प्रयागराज के लिए गर्व की बात है कि सुरेश कुमार त्रिपाठी दूसरी बार संगठन के प्रदेश अध्यक्ष निर्वाचित हुए हैं जिला कार्यकारिणी सुरेश कुमार त्रिपाठी का अभिनंदन करके स्वयं गौरवान्वित महसूस कर रही है इस अवसर पर प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष देवेंद्र श्रीवास्तव, प्रधानाचार्य परिषद के जिला अध्यक्ष डॉ पी पी सिंह, संगठन के पूर्व जिला अध्यक्ष राम प्रकाश पांडे, जिला मंत्री जगदीश प्रसाद, कोषाध्यक्ष रविंद्र त्रिपाठी, उमाशंकर यादव , संगठन के वरिष्ठ नेता कुंज बिहारी मिश्रा प्रदेशीय उपाध्यक्ष डॉ मनोज मिश्रा , सदस्य प्रदेश कार्यकारिणी अनय प्रताप सिंह , वसीम अहमद सिद्दीकी , डॉक्टर सुयोग पांडे प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला मंत्री शिव बहादुर सिंह यादव अआदि ने अपने विचार व्यक्त किये।

यूपी बोर्ड ने कौशल आधारित शिक्षा की ओर बड़ा कदम उठाया

9वी, 11वीं में व्यवसायिक शिक्षा को अनिवार्य किए जाने की महत्वपूर्ण पहल शुरू

व्यवसायिक कोर्स का अनुमोदित पाठ्यक्रम विषय समितियों ने सचिव को सौपा

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। उप्र माध्यमिक शिक्षा परिषद प्रयागराज (यूपी बोर्ड) शैक्षिक सत्र - 2026 से कक्षा 9 एवं कक्षा 11 में व्यवसायिक शिक्षा को अनिवार्य किए जाने की एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। इस क्रम में आईटी, आईटीएस, इलेक्ट्रॉनिक्स, एपेरल एवं ब्यूटी एंड वेलनेस विषयों के व्यवसायिक कोर्स का अनुमोदित पाठ्यक्रम विषय समितियों ने यूपी बोर्ड के सचिव भगवती सिंह को आज सौंप दिया।

इन सभी ट्रेड के अंतर्गत जॉब रोल आधारित पाठ्यक्रम के विकास के लिए विषय-विशेषज्ञों ने कई चरणों में अपर सचिव सत्येंद्र कुमार सिंह के निर्देशन एवं उपसचिव डॉ आनंद त्रिपाठी के संयोजन में बैठकों का आयोजन कर कार्य को सफलतापूर्वक पूर्ण किया गया।

विशेषज्ञ समिति द्वारा अनुमोदित पाठ्यक्रम में वर्तमान तकनीकी आवश्यकताओं, उद्योग जगत की अपेक्षाओं तथा विद्यार्थियों की रोजगार क्षमता को केंद्र में रखते हुए व्यवहारिक, कौशल-आधारित एवं रोजगारोन्मुखी विषय-वस्तु को सम्मिलित किया गया है। यह पाठ्यक्रम राष्ट्रीय शिक्षा नीति के उद्देश्यों के अनुरूप विद्यार्थियों में कौशल विकास, आत्मनिर्भरता एवं व्यावसायिक दक्षता को प्रोत्साहित करेगा। माध्यमिक शिक्षा परिषद

का यह कदम विद्यालयी शिक्षा को रोजगार से जोड़ने, छात्रों को व्यवहारिक ज्ञान प्रदान करने तथा उन्हें भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करने की दिशा में एक सार्थक प्रयास है। परिषद द्वारा आगे अन्य व्यवसायिक ट्रेड्स के पाठ्यक्रम विकसित किए जाने का कार्य प्रगति पर है।

इन पाठ्यक्रमों को तैयार करने में पं0 सु0 श0 केंद्रीय व्यवसायिक शिक्षा संस्थान, भोपाल के सहयोग के साथ ही विभिन्न विषय विशेषज्ञों जिनमें संजीव कुमार आर्य, वरिष्ठ प्रशिक्षण अधिकारी, रा0और प्र0 संस्थान नैनी, वीरेंद्र नाथ शुक्ला, डॉ अदिति गोस्वामी, डॉ दिलीप सिंह, डॉ अविनाश पांडेय आदि ने योगदान दिया ।

परमार्थ निकेतन दर्शनार्थ आया पर्यटकों का दल, भारत का हर दिन हर क्षण स्वतंत्रता का पर्याय : स्वामी चिदानन्द सरस्वती

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज/ऋषिकेश। परमार्थ निकेतन दर्शनार्थ आये अमेरिका से आये दल ने परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने भेंट का विभिन्न समसामयिक विषयों का चर्चा की।

आज अमेरिका में धार्मिक स्वतंत्रता दिवस मनाया जाता है, स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने कहा कि भारत का हर दिन हर क्षण स्वतंत्रता का पर्याय है। भारत, विश्व की प्राचीनतम सभ्यताओं में से एक है, जहाँ धार्मिक स्वतंत्रता कोई आधुनिक अवधारणा नहीं, बल्कि सनातन संस्कृति का मूल स्वभाव है। यहाँ 'एकं सद्विप्रा बहुधा वदन्ति' ऋग्वेद का यह उद्घोष स्वयं प्रमाण है कि सत्य एक है, पर उसे व्यक्त करने के मार्ग अनेक हैं। यही भारत की धार्मिक आत्मा है।

भारतीय संविधान का अनुच्छेद 25 प्रत्येक नागरिक को धर्म को मानने, आचरण करने और प्रचार करने की स्वतंत्रता प्रदान करता है। यह अधिकार भारत को एक धर्मनिरपेक्ष, सहिष्णु और बहुलतावादी राष्ट्र बनाता है परंतु भारत की धार्मिक स्वतंत्रता केवल संविधान तक सीमित नहीं, वह शास्त्रों, उपनिषदों, पुराणों और पूज्य संतों व परंपराओं में गहराई से निहित है। सनातन परंपरा अनुभव से सत्य को जानने की प्रेरणा देती है। उपनिषद कहते हैं 'आत्मानं विद्धि', स्वयं को जानो। यह आत्मज्ञान ही धर्म की सर्वोच्च अवस्था है। भगवद्गीता में श्रीकृष्ण स्पष्ट कहते हैं 'ये यथा मां प्रपद्यन्ते तांस्तथैव भजाम्यहम्' अर्थात् जो जिस भाव से मुझे प्राप्त करता है, मैं उसी भाव से उसे स्वीकार करता हूँ। यह श्लोक धार्मिक स्वतंत्रता की सबसे उच्च सनातन घोषणा है कि ईश्वर किसी एक पद्धति में सीमित नहीं।

भारत ने बौद्ध, जैन, सिख, इस्लाम, ईसाई, पारसी, यहूदी और अन्य सभी धर्मों को आश्रय दिया। जब विश्व के अनेक भागों में धार्मिक युद्ध चल रहे थे, तब भी भारत में विचारों का सहअस्तित्व था। आदि गुरू शंकराचार्य, कबीर, नानक, तुलसी, मीराबाई सभी ने अपने-अपने मार्ग से ईश्वर को पाया और समाज ने उन्हें स्वीकार किया।

स्वामी जी ने कहा कि भारत में कभी भी किसी पर बलपूर्वक धर्म परिवर्तन थोपने की सनातन परंपरा नहीं रही। यहाँ हमेशा संवाद रहा, संघर्ष नहीं; समन्वय रहा, संहार नहीं।

आज का भारत संवैधानिक रूप से धार्मिक स्वतंत्रता प्रदान करता है। सनातन धर्म हमें संदेश देता है कि 'सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे सन्तु निरामयाः' सभी सुखी हों, सभी निरोग हों, और इन सब में न केवल मनुष्य बल्कि सम्पूर्ण ब्रह्मण्ड समाहित है। यह प्रार्थना किसी एक धर्म के लिए नहीं, सम्पूर्ण मानवता के लिए है।

धार्मिक स्वतंत्रता का सही अर्थ यह नहीं कि हम केवल अपने धर्म की रक्षा करें, बल्कि यह कि हम दूसरे के विश्वास का भी सम्मान करें। शास्त्रों में धर्म को धारण करने योग्य कहा गया है, जो समाज को धारण करे, जो जोड़ दे, जो करुणा, संयम और विवेक सिखाए वहीं तो धर्म है।

स्वामी जी ने कहा कि भारत में धार्मिक स्वतंत्रता सिर्फ एक विचार नहीं, बल्कि आत्मा से आया एक संस्कार है। यहाँ धर्म व्यक्ति को बाँधता नहीं, उसे ऊँचा उठाता है। आज आवश्यकता है कि हम धार्मिक स्वतंत्रता को केवल अधिकार न मानें, बल्कि कर्तव्य भी समझें। कर्तव्य यह कि हम अपने विश्वास को जिएँ, पर दूसरों के विश्वास को भी सम्मान दें। यही भारत की सनातन चेतना है। यही भारत की वास्तविक धर्मनिरपेक्षता है। और यही वह मार्ग है जिससे भारत विश्व को यह सिखाता है कि धार्मिक स्वतंत्रता केवल कानून से नहीं, संस्कार से सुरक्षित रहती है।

अक्षय सर हमेशा से मेरी इंस्पिरेशन रहे हैं : भरत अहलावत

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। ज़ी टीवी का शो 'जाने अनजाने हम मिले' अब एक हाई ऑक्टेन एक्शन सीक्वेंस के साथ दर्शकों की धड़कनें बढ़ाने वाला है। शो में 'राघव' के किरदार में भरत अहलावत और 'रीत' के रोल में आयुषी खुराना नजर आ रहे हैं। आने वाले एपिसोड्स में एक इंटेंस बाइक स्टंट सीक्वेंस दिखाया जाएगा, जो स्टोरीलाइन के बड़े हाइलाइट्स में से एक होने वाला है। इस ड्रामेटिक ट्रैक में राघव का एक भयानक एक्सीडेंट होगा, जिसके बाद वो अस्पताल में जिंदगी और मौत से जूझता नजर आएगा। शूटिंग से जुड़ी बातें शेयर करते हुए भरत ने बताया कि इस सीक्वेंस के लिए उन्होंने अपनी खुद की बाइक इस्तेमाल की, जिससे वो पूरी तरह कंट्रोल में रह सके, क्योंकि वो अपनी बाइक की हर डिटेल से अच्छी तरह वाकिफ हैं।

शो को लेकर भरत बताते हैं, 'ये बाइक स्टंट सीक्वेंस मेरे लिए एक शानदार एक्सपीरियंस रहा। अपने तरीके और अपने स्टाइल में ऐसे एक्शन सीक्वेंस करना वाकई बहुत यादगार था।

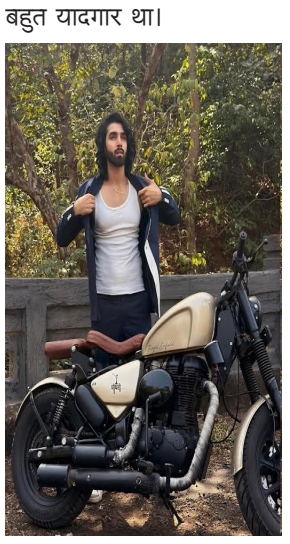

भिवंडी मनपा चुनाव में दिग्गजों की हार, नए चेहरों की जीत ने बदला सियासी समीकरण

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। भिवंडी-निजामपुर महानगरपालिका चुनाव में इस बार मतदाताओं ने कई चौंकाने वाले फैसले सुनाए हैं। जहां बड़ी संख्या में नए चेहरे जीतकर सामने आए हैं, वहीं कई दिग्गज नेताओं और प्रभावशाली राजनीतिक परिवारों से जुड़े उम्मीदवारों को करारी हार का सामना करना पड़ा है। चुनाव परिणामों ने यह साफ कर दिया है कि इस बार जनता ने नाम और कद से ज्यादा स्थानीय मुद्दों और प्रत्याशियों की पकड़ को तवज्जो दी है।

सबसे चर्चित हारों में भिवंडी पश्चिम विधानसभा से भाजपा विधायक महेश चौघुले के सुपुत्र मित महेश चौघुले की हार शामिल है। प्रभाग क्रमांक 01 (क) से कोणार्क विकास आघाड़ी द्वारा समर्थित प्रत्याशी एडवोकेट मयुरेश विकास पाटिल ने मित चौघुले को 1697 मतों से पराजित किया। मित चौघुले को 5772 वोट मिले, जबकि एडवोकेट मयुरेश पाटिल ने 7469 मत हासिल कर जीत दर्ज की।

इसी तरह समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार और पूर्व उपमहापौर अहमद हुसैन सिद्दीकी को भी करारी शिकस्त झेलनी पड़ी। वे प्रभाग 2 (अ) और प्रभाग 4 (क) से अपने दोनों पुत्र आमीर और आवेश सिद्दीकी को चुनाव मैदान में थे, लेकिन दोनों ही सीटों पर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) के उम्मीदवारों से हार गए। सिद्दीकी की हार को सपा के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है।

शिवसेना के पूर्व विधायक रूपेश म्हात्रे के भाई संजय लक्ष्मण म्हात्रे भी चुनावी मैदान में सफल नहीं हो सके। प्रभाग 9 (अ) से शिवसेना (शिंदे गुट) के प्रत्याशी संजय म्हात्रे को कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवार तारिक अब्दुल बारी मोमिन ने 9054 मतों के भारी अंतर से पराजित किया। यह जीत कांग्रेस के लिए मनोबल बढ़ाने वाली मानी जा रही है।वहीं प्रभाग 3 (अ, ब, क, ड) में रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (एकतावादी) के पूर्व नगरसेवक निकम विकास के पूरे पैनल को कांग्रेस पार्टी के पैनल के हाथों हार का सामना करना पड़ा। आरपीआई (एकतावादी) का पूरा पैनल हारना स्थानीय राजनीति में एक बड़ा उलटफेर माना जा रहा है।

भाजपा को एक और बड़ा झटका तब लगा, जब पार्टी के पूर्व शहर अध्यक्ष, मनपा में पूर्व विरोधी पक्ष नेता और प्रभाग 22 से उम्मीदवार श्याम अग्रवाल चुनाव हार गए। उन्हें एक निर्दलीय उम्मीदवार नितेश नामदेव ऐनकर ने बेहद रोमांचक मुकाबले में महज 21 मतों से पराजित किया। श्याम अग्रवाल को 6054 वोट मिले, जबकि नितेश ऐनकर ने 6075 मत हासिल कर जीत दर्ज की।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इन चुनाव परिणामों से स्पष्ट है कि भिवंडी की जनता ने इस बार परंपरागत राजनीति से हटकर मतदान किया है। नए चेहरों को मौका देने और कुछ पुराने, स्थापित नेताओं को नकारने का यह संदेश आने वाले विधानसभा और लोकसभा चुनावों के लिए भी अहम संकेत माना जा रहा है।

भिवंडी मनपा चुनाव में कांग्रेस बनी सबसे बड़ी पार्टी, 53.43 प्रतिशत मतदान दर्ज

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। भिवंडी-निजामपुर महानगरपालिका चुनाव के नतीजों में कांग्रेस पार्टी ने सबसे बेहतर प्रदर्शन करते हुए 90 में से 30 सीटों पर विजय हासिल की है और वह भिवंडी मनपा में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। हालांकि कांग्रेस को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला है, लेकिन सबसे अधिक सीटें मिलने से उसकी स्थिति मजबूत मानी जा रही है। चुनाव परिणामों के अनुसार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 22 सीटों पर जीत दर्ज की है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) और शिवसेना (शिंदे गुट) को 12-12 सीटें मिली हैं। समाजवादी पार्टी ने 6 सीटों पर कब्जा जमाया है, जबकि कोणार्क विकास आघाड़ी को 4 और भिवंडी विकास आघाड़ी (एकता मंच) को 3 सीटें प्राप्त हुई हैं। इसके अलावा 1 सीट पर एक निर्दलीय उम्मीदवार ने जीत हासिल की है।

वहीं दूसरी ओर शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे गुट), राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजीत पवार गुट), आम आदमी पार्टी, महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी, ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (छ्छ्छ), रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (एकतावादी), पीस पार्टी, लोकहिंद पार्टी, वंचित बहुजन विकास आघाड़ी और जय हिंद सेना का इस चुनाव में खाता तक नहीं खुल सका।

गौरतलब हो कि 90 सीटों के लिए कुल 438 उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल किया था, जिनमें से 121 उम्मीदवार निर्दलीय के रूप में चुनावी मैदान में उतरे थे। इतने अधिक प्रत्याशियों के कारण मुकाबला काफी रोचक और बहुकोणीय रहा। 15 जनवरी को हुए मतदान में कुल 6,69,033 मतदाताओं में से 3,57,485 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इनमें 1,95,600 पुरुष, 1,61,840 महिलाएं और 45 अन्य मतदाता शामिल थे। कुल मिलाकर देर रात तक 53.43 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया, जिसे औसत मतदान प्रतिशत माना जा रहा है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि त्रिशंकु सदन की स्थिति में अब महापौर पद और स्थायी समिति के गठन को लेकर जोड़-तोड़ की राजनीति तेज हो सकती है। आने वाले दिनों में गठबंधन और समर्थन को लेकर राजनीतिक गतिविधियां और तेज होने की संभावना जताई जा रही है।

अखिलेश यादव ने कसा तंज, भाजपा पैसों को छोड़कर किसी की सगी नहीं है

लखनऊ **(एजेंसी)**। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तंज कसते हुए कहा कि ''सत्तारूढ़ पार्टी पैसों को छोड़कर

किसी की सगी नहीं है।''

सपा प्रमुख यादव ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' के अपने आधिकारिक हैंडल से किये गए एक पोस्ट में कहा ''भाजपा अपने संगी-साथियों को फायदा पहुंचाने के चक्कर में काशी की दाल मंडी में हर घर-दुकानदार को दल रही है। ये जुल्म और अत्याचार जनता अब और नहीं सहेगी।''

अखिलेश यादव ने आरोप लगाया, ''भाजपा पैसों को छोड़कर किसी की सगी नहीं है। सत्ता भी भाजपाइयों को सिर्फ पैसे कमाने के लिए ही चाहिए।'' यादव ने कहा, ''भाजपा विश्वासघात का दूसरा नाम बन गयी है। भाजपा जाए तो हर इंसान चैन पाए!'' सपा प्रमुख ने इस पोस्ट के साथ दो मिनट 19 सेकंड का एक वीडियो क्लिप भी साझा की, जिसमें लखीमपुर खीरी जिले के मूल निवासी और (राम मंदिर आंदोलन) कारसेवा के दौरान कथित तौर पर 22 दिनों तक जेल में बंद रहे संजीव जायसवाल नामक व्यक्ति को सरकार पर तंज कसते हुए सुना जा सकता है।

भिवंडी मनपा चुनाव में 11 राजनीतिक दलों का नहीं खुला खाता, शिवसेना (उद्धव) और मनसे की करारी हार

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। भिवंडी-निजामपुर महानगरपालिका चुनाव के नतीजों ने इस बार शहर की राजनीति में बड़ा उलटफेर कर दिया है। जहां सात राजनीतिक दलों को ही सफलता मिल सकी, वहीं 11 राजनीतिक पार्टियों का खाता तक नहीं खुल सका। इनमें शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे गुट) और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) जैसी प्रमुख पार्टियों की करारी हार सबसे अधिक चर्चा में रही।

इस चुनाव में कुल 18 राजनीतिक दलों के 317 उम्मीदवारों के साथ 121 निर्दलीय प्रत्याशी मैदान में थे। इस तरह कुल 438 उम्मीदवारों ने 90 सीटों के लिए चुनाव लड़ा। परिणामों में सामने आया कि 11 पार्टियों को एक भी सीट नसीब नहीं हुई, जबकि केवल सात दलों के उम्मीदवार ही जीत दर्ज कर सके।

सबसे खराब प्रदर्शन शिवसेना (उद्धव गुट) का रहा। पार्टी ने शहरभर में 28 उम्मीदवार मैदान में उतारे थे, लेकिन एक भी प्रत्याशी जीत दर्ज नहीं कर सका। सभी उम्मीदवार तीसरे या चौथे स्थान पर सिमट गए। इसी तरह राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजीत पवार गुट) ने 24 प्रत्याशी उतारे थे, लेकिन पार्टी का खाता भी नहीं खुल सका। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (छ्छ्छ) ने 16 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे थे, लेकिन जनता ने पार्टी को पूरी तरह नकार दिया। वंचित बहुजन आघाड़ी के नौ प्रत्याशी भी एक भी सीट जीतने में सफल नहीं हो सके। रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (एकतावादी) ने आठ सीटों पर उम्मीदवार उतारे थे, लेकिन उसे भी निराशा हाथ लगी।

आम आदमी पार्टी ने सात उम्मीदवार मैदान में उतारे थे और सभी को हार का सामना करना पड़ा। वहीं लोक हिंद पार्टी और लोक हिंद सेना ने पांच-पांच उम्मीदवार उतारे थे, लेकिन दोनों ही दलों का खाता नहीं खुल सका। मनसे, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी और पीस पार्टी ने दो-दो उम्मीदवार मैदान में उतारे थे, लेकिन इनमें से किसी को भी जीत नसीब नहीं हुई। इसके अलावा कई दलों के प्रत्याशी अपनी जमानत तक नहीं बचा सके।

इसके उलट भिवंडी विकास आघाड़ी ने चार सीटों पर चुनाव लड़ा था, जिनमें से तीन पर जीत दर्ज कर पार्टी ने अच्छा प्रदर्शन किया।

एक उत्तरभारतीय और एक निर्दलीय को ही मिली सफलता……

इस चुनाव में उत्तरभारतीय समाज के लिए भी नतीजे निराशाजनक रहे। विभिन्न राजनीतिक दलों से करीब आधा दर्जन उत्तरभारतीय हिंदू उम्मीदवार चुनाव मैदान में थे, लेकिन भाजपा से प्रभाग क्रमांक 22 की उम्मीदवार क्षमा ठाकुर ही जीत दर्ज कर सकीं। उन्हें पूरे उत्तरभारतीय समाज का व्यापक समर्थन मिला। कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और अन्य दलों से चुनाव लड़ने वाले उत्तरभारतीय उम्मीदवार जीत दर्ज नहीं कर सके। वहीं निर्दलीय उम्मीदवारों की बात करें तो 90 सीटों के लिए 121 निर्दलीय प्रत्याशी मैदान में थे, लेकिन सिर्फ एक ही निर्दलीय उम्मीदवार जीत दर्ज कर सका। प्रभाग क्रमांक 22 से नितेश नामदेव एनकर ने बेहद रोमांचक मुकाबले में भाजपा के दिग्गज नेता श्याम अग्रवाल को मात्र 21 मतों से पराजित किया। नितेश एनकर को 6075 वोट मिले, जबकि श्याम अग्रवाल को 6054 मत प्राप्त हुए। कुल मिलाकर भिवंडी मनपा चुनाव के नतीजों ने कई राजनीतिक दलों के जनाधार पर सवाल खड़े कर दिए हैं और आने वाले समय में शहर की राजनीति में बड़े बदलाव के संकेत दे दिए हैं।

रुपया लेकर पट्टा करने वालों के विरुद्ध हो कार्रवाई, सीएम योगी ने दिए सख्त निर्देश

गोरखपुर **(एजेंसी)**। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को आयोजित जनता दर्शन में भूमि पट्टा आवंटन से जुड़ी कतिपय शिकायतों पर अधिकारियों को निर्देश दिया कि जिस भी गांव में रुपया लेकर पट्टा आवंटन की शिकायत हो, वहां तत्काल जांच कर दोषी के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करें। गोरखनाथ मंदिर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन सभागार में शुक्रवार सुबह आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने करीब 200 लोगों की समस्याएं सुनीं। कुर्सियों पर बैठे लोगों तक खुद चलकर गए। उनकी समस्याओं व शिकायतों को सुना और समझा। सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित और संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश दिया।

मुख्यमंत्री ने लोगों को भरोसा

दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान करने के लिए प्रतिबद्ध है। जनता दर्शन में एक महिला ने गांव में गरीबों के जमीन पट्टा आवंटन में अनियमितता की शिकायत की। इस पर मुख्यमंत्री ने अफसरों से कहा कि जहां भी रुपया लेकर जमीन पट्टा दिया गया हो, वहां संबंधित की जिम्मेदारी तय कर कठोर कार्रवाई सुनिश्चित कराई जाए। अपराध से संबंधित शिकायतों पर मुख्यमंत्री ने पुलिस अधिकारियों को अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

साथ ही प्रशासन के अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर पात्र व्यक्ति को शासन की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाया जाए। इसी क्रम में एक महिला ने आर्थिक तंगी को लेकर बिटिया की शादी की चिंता व्यक्त की तो योगी ने अधिकारियों से कहा कि बिटिया का विवाह मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में कराने की व्यवस्था करें। जनता दर्शन में गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर आए कई लोगों से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि धन के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जो भी जरूरतमंद हैं, प्रशासन उनके इलाज का एस्टीमेट शीघ्रता से बनवाकर उपलब्ध कराए। एस्टीमेट मिलते ही सरकार तुरंत धन उपलब्ध कराएगी।

भाजपा का सपना टूटा, कांग्रेस बना सकती है मेयर

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी निजामपुर शहर महानगरपालिका में पहली बार महापौर बनाने का भारतीय जनता पार्टी का सपना इस बार टूटता नजर आ रहा है। किसी भी एक दल को स्पष्ट बहुमत न मिलने के कारण सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी कांग्रेस के पास अब मेयर पद हासिल करने का मजबूत मौका बनता दिख रहा है। राकांपा (शरद पवार गुट) और अन्य दलों के सहयोग से कांग्रेस मेयर पद तक पहुंच सकती है। मौजूदा आंकड़े भी कांग्रेस के पक्ष में जाते दिखाई दे रहे हैं।

गौरतलब है कि भिवंडी मनपा चुनाव में 18 राजनीतिक दलों के 317 प्रत्याशी और 121 निर्दलीय उम्मीदवारों सहित कुल 438 उम्मीदवार चुनावी मैदान में थे। मतगणना के बाद कांग्रेस 30 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बनकर सामने आई है। सूत्रों के अनुसार यदि कांग्रेस को राकांपा (शरद पवार गुट) के 12 नगरसेवकों का समर्थन मिलता है तो उसकी कुल संख्या 42 तक पहुंच जाती है। ऐसे में यदि कोणार्क विकास आघाड़ी के 4 नगरसेवक भी कांग्रेस के समर्थन में आते हैं, तो 46 नगरसेवकों का जादुई आंकड़ा पार कर कांग्रेस अपना मेयर बनाने में सफल हो सकती है।

दूसरी ओर भाजपा ने 22 सीटें जीती हैं, जबकि शिवसेना (शिंदे गुट) को 12 सीटों पर सफलता मिली है। इस गठबंधन की कुल संख्या 34 तक पहुंचती है, जो बहुमत से अभी भी 12 सीट कम है। यदि भाजपा को भिवंडी विकास मंच के 3 नगरसेवकों और राकांपा (शरद पवार गुट) के 12 नगरसेवकों का समर्थन मिलता है, तो उसके लिए भी मेयर बनाना संभव हो सकता है।

इस पूरे समीकरण में कोणार्क विकास आघाड़ी की भूमिका भी अहम मानी जा रही है। केवल 4 नगरसेवकों के बावजूद इससे पहले भी यह आघाड़ी महापौर पद तक पहुंच चुकी है। ऐसे में एक बार फिर छोटे दलों की भूमिका निर्णायक साबित हो सकती है। अब सबकी निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि मेयर पद की दौड़ में आखिर किसका राजनीतिक गणित सही बैठता है और किसके गियर काम आते हैं।

'जिसे हटना होता है वह खुद हट जाता है'

चुनाव लड़ने के सवाल पर विनय कटियार की चुटकी

बाराबंकी **(एजेंसी)**। राम मंदिर आंदोलन के दौर से हिंदुत्व की राजनीति में पहचान बनाने वाले भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष विनय कटियार बाराबंकी पहुंचे। वह यहां अपने एक करीबी मित्र के निजी कार्यक्रम में शामिल होने आए थे। इस दौरान उन्होंने मीडिया से बातचीत में अयोध्या और बाराबंकी लोकसभा चुनाव, भाजपा प्रत्याशी और समाजवादी पार्टी के पीडीए फॉर्मूले को लेकर बेबाक और तल्ख टिप्पणियां कीं।

लोकसभा चुनाव में अयोध्या और उससे सटे बाराबंकी सीट पर भाजपा की हार को लेकर पूछे गए सवाल पर विनय कटियार ने कहा कि अयोध्या की सीट कभी हारी नहीं है। उन्होंने कहा, 'सीट वही रहती है, लोग बदलते रहते हैं। प्रत्याशी बदलते रहते हैं।' मौजूदा प्रत्याशी वेद गुप्ता को लेकर उन्होंने कहा कि वे अच्छे व्यक्ति हैं और आगे देखना होगा कि वह कितना बेहतर काम करते हैं। कटियार ने स्पष्ट किया कि उनके हिसाब से प्रत्याशी में कोई कमी नहीं है।

जब उनसे यह सवाल किया गया कि क्या वह खुद चुनाव लड़ने के लिए किसी प्रत्याशी को हटवाएंगे, तो उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा, 'हम किसी को हटाते नहीं हैं, जिसे हटना होता है, वह खुद-ब-खुद हट जाता है।' उनके इस बयान को राजनीतिक गलियारों में हल्के-फुल्के कटाक्ष के रूप में देखा जा रहा है।

समाजवादी पार्टी के पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) फॉर्मूले

पर विनय कटियार ने तीखा तंज कसते हुए कहा कि सपा अब पहले जैसी पार्टी नहीं रही। उन्होंने कहा कि जब तक समाजवादी पार्टी में मुलायम सिंह यादव थे, तब तक पार्टी में मजबूती थी। अखिलेश यादव को अभी बहुत कुछ सीखने की जरूरत है, जबकि वह प्रदेश के मुख्यमंत्री रह चुके हैं।

कटियार ने यह भी कहा कि उन्होंने अखिलेश यादव को सलाह दी थी कि अपने चाचा शिवपाल यादव को भी पार्टी में जिम्मेदारी देनी चाहिए। पीडीए फॉर्मूले पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा, 'हम पीडीए नहीं जानते, हम तो सीधी लड़ाई लड़ना जानते हैं।' उनके इस बयान को भाजपा की पारंपरिक राजनीति और सपा की नई सामाजिक रणनीति के बीच सीधी टक्कर के संकेत के रूप में देखा जा रहा है।

मां की बॉडी लेकर अकेले पोस्टमार्टम कराने पहुंचा 8 साल का मासूम

एड्स से गई जान तो अपनों ने सनी से मुंह मोड़ा!

एटा **(एजेंसी)**। प्रदेश के एटा जिले के थाना जैथरा क्षेत्र में एक एचआईवी पीड़ित महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई। जिसके आठ वर्षीय बेटे ने पोस्टमार्टम समेत अन्य प्रक्रिया पूरी कराई और अंतिम समय में अकेले ही मां का साथ निभाया। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, ग्राम नगला धीरज निवासी दिवंगत सुरेंद्र की पत्नी नीलम की इलाज के दौरान एटा के वीरांगना अवंतीबाई मेडिकल कॉलेज में मौत हो गई। उसके शव को उसका आठ वर्षीय पुत्र शनि अकेला लेकर पोस्टमार्टम के लिए पहुंचा।

जैथरा के थानाध्यक्ष रितेश ठाकुर के अनुसार, नीलम पिछले करीब एक माह से गंभीर बीमारी से पीड़ित थीं और इलाज के लिए फर्रुखाबाद स्थित अपने पिता के घर पर रह रही थीं। हालत बिगड़ने पर वह पांच दिन पूर्व अपने गांव जैथरा लौटीं और वहां से मेडिकल कॉलेज एटा में आकर भर्ती हो गईं, जहां उपचार के दौरान बुधवार को उन्होंने दम तोड़ दिया। ठाकुर ने बताया कि नीलम की मौत के समय उसके साथ अस्पताल में केवल उसका आठ वर्षीय पुत्र शनि मौजूद था। मां की मौत के बाद बच्चा पूरी तरह अकेला पड़ गया।

अस्पताल कर्मियों ने घटना की सूचना थाना जैथरा पुलिस को दी, जिस पर तत्काल पुलिसकर्मियों को भेजकर पंचनामा और आगे की विधिक प्रक्रिया पूरी कराई गई। शनि ने पुलिस और पत्रकारों को बताया कि उसकी एक बहन राखी (15) है, जो ननिहाल (ग्राम नारायणपुर, जनपद फर्रुखाबाद) में रहती है। उसके पास किसी भी परिजन का मोबाइल नंबर नहीं था और वह किसी से संपर्क करने की स्थिति में नहीं था। पोस्टमार्टम गृह पर शनि ने बताया कि कोई नहीं होने के कारण वह अकेले ही अपनी मां को पोस्टमार्टम के लिए लेकर आया है। पुलिस के अनुसार नीलम के पति सुरेंद्र की मौत करीब आठ माह पूर्व हुई थी। वह भी एचआईवी से पीड़ित था। नीलम भी एचआईवी संक्रमित थी।

प्रियंका चोपड़ा का धमाकेदार एक्शन अवतार समुद्री लुटेरों से टकराती दिखीं 'देसी गर्ल'

ग्लोबल आइकन प्रियंका चोपड़ा जोनस एक बार फिर बड़े पर्दे पर तहलका मचाने के लिए तैयार हैं। उनकी बहुप्रतीक्षित हॉलीवुड फिल्म 'द ब्लफ' का ट्रेलर रिलीज हो गया है, और इसे देखते ही प्रशंसकों के रोंगटे खड़े हो गए हैं। इस फिल्म में प्रियंका एक ऐसी भूमिका में नजर आ रही हैं, जो उन्होंने पहले कभी नहीं निभाई।

ट्रेलर की शुरुआत 19वीं सदी के कैरिबियन द्वीप समूह के खूबसूरत लेकिन खतरनाक दृश्यों से होती है। प्रियंका चोपड़ा इस फिल्म में एक पूर्व महिला समुद्री लुटेरे का किरदार निभा रही हैं, जो अपने अतीत को पीछे छोड़कर अपने परिवार के साथ शांति से रहने की कोशिश कर रही है। हालांकि, उसका अतीत उसका पीछा नहीं छोड़ता और जब उसके परिवार पर खतरा मंडराता है, तो वह फिर से तलवार उठाने पर मजबूर हो जाती है। ट्रेलर के साथ, मेकर्स ने फ़िल्म की रिलीज़ डेट भी बताई। दर्शक 25 फरवरी, 2026 से प्राइम वीडियो पर द ब्लफ़ देख पाएंगे।

बेनकाब हुआ पति-पत्नी का सेक्स रैकेट

चारों तरफ यूज्ड अनयूज्ड आपत्तिजनक सामग्री, नग्न अवस्था में मिले लड़के-लड़कियां

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के वाराणसी की आज़ाद नगर कॉलोनी में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक 5 मंज़िला फ्लैट में पति-पत्नी मिलकर पिछले दो साल से सेक्स रैकेट चला रहे थे। यह फ्लैट कॉलोनी के पॉश इलाके में स्थित है। शुरुआत में किसी को इस अवैध गतिविधि की भनक नहीं लगी, लेकिन फ्लैट में लगातार आने-जाने वाले लोगों को देखकर मोहल्ले के लोगों को शक हुआ। इसके बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस ने फ्लैट में छापेमारी की। अंदर का नज़ारा देखकर पुलिस भी हैरान रह गई। कमरे में जगह-जगह इस्तेमाल किए गए और नए कंडोम पड़े थे, साथ ही शराब की बोतलें भी बिखरी हुई थीं। पुलिस को मौके पर एक युवक और युवती आपत्तिजनक हालत में मिले। पुलिस ने मौके से सेक्स रैकेट की संचालिका, एक ग्राहक और रैकेट के सहयोगी मोहम्मद वसीम को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं, मुख्य आरोपी और फ्लैट मालिक सैयद समीर सिद्दीकी मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश की जा रही है।

महिला क्रिकेट में बदलाव की मांग : न्यूजीलैंड की क्रिकेटर ने फील्डिंग नियमों और बाउंड्री साइज पर उठाए सवाल

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। महिला क्रिकेट तेजी से बदल रहा है। खेल की रफ्तार, खिलाड़ियों की ताकत और दर्शकों की दिलचस्पी तीनों में जबरदस्त बढ़ोतरी हुई है। इसी बदलते परिदृश्य के बीच न्यूजीलैंड की कप्तान और अनुभवी ऑलराउंडर सोफी डिवाइन ने मौजूदा फील्डिंग नियमों और बाउंड्री के आकार को लेकर अहम सवाल खड़े किए हैं। उनका मानना है कि वर्तमान परिस्थितियां बल्लेबाजों के पक्ष में अत्यधिक झुकी हुई हैं, जिससे गेंदबाजों के लिए संतुलन बनाना मुश्किल हो गया है। डिवाइन की यह टिप्पणी महिला क्रिकेट में संभावित सुधारों पर एक नई बहस को जन्म दे सकती है।

फिलहाल महिला क्रिकेट में नॉन-पावरप्ले ओवरों के दौरान इनर सर्कल के बाहर सिर्फ चार फील्डर रखने की अनुमति है। यह नियम ज्यादा रन और बाउंड्री को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लागू किया गया था। हालांकि, सोफी डिवाइन का मानना है कि खेल अब उस स्तर तक पहुंच चुका है जहां इस नियम की समीक्षा जरूरी हो गई है। डिवाइन के अनुसार, बल्लेबाजों की पावर और शॉट-मेकिंग क्षमता में जिस तरह का इजाफा हुआ है, उसे देखते हुए बाहर पांच फील्डर रखने की इजाजत देने से खेल की प्रतिस्पर्धा पर कोई नकारात्मक असर नहीं पड़ेगा।

महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में बाउंड्री की अधिकतम लंबाई 60 मीटर तय की गई है, जबकि पुरुष क्रिकेट में यह दूरी 70 से 77 मीटर तक होती है। डिवाइन का मानना है कि छोटी बाउंड्री और सीमित फील्डिंग विकल्पों का मेल गेंदबाजों के लिए मुश्किलें बढ़ा देता है। उन्होंने कहा कि खासकर सपाट पिचों पर गेंदबाजों के पास गलती की गुंजाइश बेहद कम रह जाती है, क्योंकि हल्की सी चूक भी आसानी से बाउंड्री में तब्दील हो जाती है।

डिवाइन ने स्वीकार किया कि आधुनिक महिला क्रिकेट में बल्लेबाजों की ताकत और आक्रामकता काबिल-ए-तारीफ है, लेकिन मौजूदा नियमों के कारण खेल का संतुलन एकतरफा होता जा रहा है। उनके मुताबिक, अगर गेंदबाजों को मुकाबले में बनाए रखना है तो फील्डिंग सेटअप और बाउंड्री डाइमेंशन दोनों पर गंभीरता से विचार करना होगा।

डब्ल्यूपीएल 2026 की नीलामी में गुजरात जायंट्स द्वारा खरीदी गई सोफी डिवाइन इस सीजन बेहतरीन लय में नजर आ रही हैं। वह टूर्नामेंट के टॉप रन-स्कोरर्स और विकेट-टेकरों में शामिल हैं। व्यक्तिगत सफलता के बावजूद, उन्होंने गेंदबाजों की चुनौतियों पर खुलकर बात की, जो उनके अनुभव और खेल की समझ को दर्शाता है। डिवाइन ने डब्ल्यूपीएल में 'रिटायर्ड-आउट' रणनीति के बढ़ते इस्तेमाल पर भी अपनी राय रखी। हाल के मैचों में इस फैसले को लेकर बहस छिड़ी है, लेकिन डिवाइन का मानना है कि अगर यह कदम टीम के हित में और रणनीतिक रूप से उठाया जाए तो यह पूरी तरह जायज है। उन्होंने कहा कि किसी भी निर्णय का मकसद टीम को मोमेंटम देना और मैच की स्थिति का सही फायदा उठाना होना चाहिए।

बीबीएल में स्टीव स्मिथ का तूफान, 107 मीटर के सिक्स सहित जड़ा रिकॉर्डतोड़ शतक

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। ऑस्ट्रेलिया के स्टार बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने एक बार फिर साबित कर दिया कि वह सिर्फ क्लासिक बल्लेबाज़ ही नहीं, बल्कि आधुनिक टी20 क्रिकेट के सबसे खतरनाक हिटर भी हैं। बिग बैश लीग 2025-26 के सिडनी डर्बी में स्मिथ ने ऐसी पारी खेली जिसने दर्शकों को हैरान और गेंदबाजों को बेबस कर दिया। सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर थंडर के खिलाफ खेलते हुए, सिक्सर्स के कप्तान ने टूर्नामेंट इतिहास का संयुक्त रूप से दूसरा सबसे तेज़ शतक जड़कर मुकाबले की पूरी कहानी बदल दी।

स्टीव स्मिथ ने सिर्फ 41 गेंदों में अपना शतक पूरा किया, जो बीबीएल के इतिहास में संयुक्त रूप से दूसरा सबसे तेज़ शतक है। इससे पहले 2024 में जोश ब्राउन ने भी इतनी ही गेंदों में सेंचुरी बनाई थी। केवल क्रेग सिमंस और मिशेल ओवेन ही ऐसे बल्लेबाज़ हैं जिन्होंने 39 गेंदों में शतक जड़कर स्मिथ से तेज यह उपलब्धि हासिल की है। यह शतक न सिर्फ तेज था, बल्कि स्मिथ के करियर की सबसे आक्रामक पारियों में से एक माना जा रहा है।

मैच का सबसे यादगार पल चौथे ओवर में आया, जब स्मिथ ने नाथन मैकएंड्रयू की गेंद पर फ्रंट फुट हटाकर मिड-विकेट के ऊपर 107 मीटर लंबा छक्का जड़ दिया। यह छक्का पूरे स्टेडियम में चर्चा का विषय बन गया और सोशल मीडिया पर भी तेजी से वायरल हुआ। स्मिथ की फुटवर्क, टाइमिंग और ताकत का यह शानदार मिश्रण गेंदबाजों के लिए चेतावनी बन गया।

स्मिथ ने इस पारी के साथ सिडनी सिक्सर्स के लिए सबसे तेज़ बीबीएल शतक का रिकॉर्ड भी अपने नाम किया। उन्होंने 2023 में थंडर के खिलाफ बनाए गए 56 गेंदों के अपने ही पुराने रिकॉर्ड को तोड़ दिया। वह 42 गेंदों में 100 रन बनाकर आउट हुए, जिसमें पांच चौके और नौ गगनचुंबी छक्के शामिल थे। उनकी पारी का अंत लेग स्पिनर तनवीर संघा ने किया।

12वें ओवर में स्मिथ ने रयान हैडली की गेंदों पर 32 रन ठोक दिए, जो बीबीएल इतिहास का सबसे महंगा ओवर बन गया। इस ओवर में उन्होंने तीन छक्के, एक चौका और शानदार टाइमिंग के साथ रन बटोरे। इस ओवर ने मैच को पूरी तरह सिक्सर्स के पक्ष में झुका दिया।

स्मिथ की विस्फोटक बल्लेबाज़ी की बदौलत सिडनी सिक्सर्स ने 190 रन का लक्ष्य सिर्फ पांच विकेट खोकर हासिल कर लिया। स्मिथ ने मात्र 23 गेंदों में अर्धशतक पूरा कर रन चेज की नींव रखी। बाबर आजम ने 47 रनों की संयमित पारी खेली, जबकि लैचलान शॉ और जैक एडवर्ड्स के छोटे लेकिन अहम योगदान ने जीत को आसान बना दिया। सिक्सर्स ने 16 गेंदें शेष रहते मुकाबला अपने नाम कर लिया।

विप्रो का तीसरी तिमाही में शुद्ध लाभ 7 प्रतिशत घटकर 3, 119 करोड़ रुपए

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। सूचना प्रौद्योगिकी सेवा कंपनी विप्रो का वित्त वर्ष 2025-26 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ सात प्रतिशत घटकर 3, 119 करोड़ रुपए रहा। यह गिरावट नई श्रम संहिता के लागू होने के कारण 302.8 करोड़ रुपए के एकमुश्त अस्थायी प्रावधान के कारण आई है। बेंगलुरु स्थित कंपनी का 2024-25 की तीसरी (अक्टूबर-दिसंबर) तिमाही में शुद्ध लाभ 3, 353.8 करोड़ रुपए रहा था।

कंपनी ने शुक्रवार को बताया कि वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही में विप्रो की परिचालन आय 5.5 प्रतिशत बढ़कर 23, 555.8 करोड़ रुपए हो गई जबकि गत वित्त वर्ष 2024-25 की इसी अवधि में यह 22, 318.8 करोड़ रुपए थी। तिमाही आधार पर विप्रो का मुनाफा 3.9 प्रतिशत घटा जबकि राजस्व में 3.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। विप्रो के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एवं प्रबंध निदेशक (एमडी) श्रीनि पल्लिया ने कहा, "तीसरी तिमाही में हमने अपनी अपेक्षाओं के अनुरूप व्यापक वृद्धि दर्ज की। जैसे-जैसे कृत्रिम मेधा (एआई) एक रणनीतिक अनिवार्यता बनता जा रहा है 'विप्रो इंटेलिजेंस' एक विशिष्ट भूमिका निभा रहा है। इसने इस तिमाही में भी कई सफलताओं में योगदान दिया है। हमने अपने एआई-सक्षम मंचों और समाधानों को अपनाया। 'विंग्स' और 'वेगा' के माध्यम से एआई-आधारित सेवाओं का विस्तार किया और वैश्विक स्तर पर अपने नवाचार नेटवर्क को बढ़ाया है।"

इसकी टीसीएस, इन्फोसिस और एचसीएलटेक जैसी बड़ी प्रतिद्वंद्वी कंपनियों के तीसरी तिमाही के नतीजों में भी नए श्रम संहिता के लागू होने का महत्वपूर्ण प्रभाव दिखा है। टीसीएस को वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही में नए श्रम संहिता के लागू होने से 2, 128 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ जबकि इन्फोसिस ने 1, 289 करोड़ रुपए का नुकसान उठाया। एचसीएलटेक ने भी कार्यान्वयन से संबंधित 8.2 करोड़ अमेरिकी डॉलर (लगभग 719 करोड़ रुपए) के एकमुश्त प्रावधान की जानकारी दी है।

शेयर बाजार में तेजी, सेंसेक्स 187 अंक उछलकर 83, 570 के स्तर बंद

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय शेयर बाजारों में शुक्रवार, 16 जनवरी को जोरदार तेजी देखने को मिली। कारोबार के दौरान बीएसई सेंसेक्स करीब 700 अंकों तक उछल गया, जबकि निफ्टी 25, 850 के अहम स्तर के ऊपर पहुंच गया। आईटी शेयरों में दमदार खरीदारी के चलते पूरे बाजार में तेजी का माहौल रहा।

कारोबार के अंत में सेंसेक्स 187 अंक यानी 0.23 फीसदी की बढ़त के साथ 83, 570 के स्तर पर आ गया। वहीं निफ्टी 28 अंक या 0.11 फीसदी चढ़कर 25, 694 के स्तर पर बंद हुआ।

आज की तेजी की सबसे बड़ी वजह आईटी शेयरों में मजबूत खरीदारी रही। इंफोसिस के शेयर 5 फीसदी से ज्यादा उछले, जो पिछले चार महीनों में इसकी सबसे बड़ी तेजी है। कंपनी ने दिसंबर तिमाही में बेहतर नतीजे पेश किए और पूरे वित्त वर्ष के लिए रेवेन्यू ग्रोथ आउटलुक को 2-3 फीसदी से बढ़ाकर 3-3.5 फीसदी कर दिया। इसका असर पूरे आईटी सेक्टर पर दिखा। निफ्टी आईटी इंडेक्स के सभी 10 शेयर हरे निशान में रहे और इंडेक्स करीब 3 फीसदी चढ़कर 38, 851.85 पर पहुंच गया। यह दिन का टॉप सेक्टोरल गेनर रहा।

वेल्थमिल्स सिक्योरिटीज के इक्विटी स्ट्रैटेजी डायरेक्टर क्रांति बाथिनी ने रॉयटर्स से कहा, 'इन्फोसिस के नतीजों और मैनेजमेंट कमेंट्री से बाजार को मजबूती मिली है। आईटी शेयरों के वैल्यूएशन आकर्षक हैं, जिससे खरीदारी और शॉर्ट कवरिंग देखने को मिल रही है।'

डेलॉयट ने आगामी बजट में एमएसएमई निर्यात के लिए ऋण बढ़ाने का दिया सुझाव

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। वित्त वर्ष 2026-27 के बजट में व्यापारिक स्थिरता बढ़ाने एवं बाहरी कमजोरियों को कम करने के लिए निर्यात ऋण तथा रियायती वित्तपोषण के माध्यम से छोटे उद्यमों को समर्थन देने के साथ-साथ महत्वपूर्ण खनिजों की खोज के लिए वित्तपोषण जैसे उपायों पर विचार किया जाना चाहिए। वित्तीय परामर्श एवं सलाहकार कंपनी डेलॉयट इंडिया ने यह बात कही। डेलॉयट ने बजट को लेकर अपनी आकांक्षाओं पर कहा कि भारत के निर्यात में सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) का 46 प्रतिशत हिस्सा है और कृषि के बाद ये दूसरे सबसे बड़े नियोक्ता हैं। वित्तीय एवं अनुपालन संबंधी दबावों को कम करने से इन उद्यमों को वैश्विक अस्थिरता से निपटने, उत्पादन बनाए रखने और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में प्रतिस्पर्धी बने रहने में मदद मिलेगी।

कंपनी ने कहा, "एमएसएमई को मजबूत करने से रोजगार सुरक्षित होंगे और समावेशी आर्थिक वृद्धि को गति मिलेगी, ग्रामीण आय में वृद्धि होगी तथा भारत की वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनने की महत्वाकांक्षा को समर्थन मिलेगा।" डेलॉयट ने अंतिम छोर तक एमएसएमई की प्रतिस्पर्धा को बेहतर बनाने और सरलीकृत डिजिटल प्रक्रियाओं के माध्यम से अनुपालन बोझ को कम करने के लिए व्यापक प्रशिक्षण का सुझाव दिया। इसने यह भी सुझाव दिया कि शुल्क के प्रति संवेदनशील क्षेत्रों (तैयार वस्त्र, रत्न, आभूषण, चमड़ा) को लक्षित निर्यात प्रोत्साहन या बढ़ी हुई शुल्क छूट प्रदान की जाए। डेलॉयट की अर्थशास्त्री रुमकी मजूमदार ने कहा कि बढ़ते वैश्विक संरक्षणवाद एवं तदर्थ उपायों (शुल्क में बढ़ोतरी, उत्पत्ति नियमों में बदलाव एवं गैर-शुल्क बाधाएं) से भारतीय निर्यातकों के लिए अनिश्चितता बढ़ जाती है।

वैश्विक व्यापारिक टकरावों का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि पर प्रत्यक्ष प्रभाव 0.40 प्रतिशत से 0.80 प्रतिशत तक सीमित हो सकता है लेकिन एमएसएमई और रोजगार पर इसका व्यापक प्रभाव पड़ सकता है।" महत्वपूर्ण खनिजों को सुरक्षित करने और वैकल्पिक ऊर्जा आपूर्ति तक पहुंच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से डेलॉयट ने विदेशी अधिग्रहण एवं प्रौद्योगिकी सहयोग को वित्तपोषित करने के लिए एक समर्पित महत्वपूर्ण खनिज कोष के आवंटन का सुझाव दिया।

1 अप्रैल 2026 से सिबिल स्कोर को लेकर बड़ा बदलाव, आरबीआई का नया नियम लागू होगा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। 1 अप्रैल 2026 से देश का क्रेडिट सिस्टम पूरी तरह बदलने जा रहा है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने क्रेडिट सिस्टम को और अधिक रियल-टाइम और पारदर्शी बनाने के लिए बड़ा बदलाव करने का फैसला किया है। 1 अप्रैल 2026 से लागू होने वाले इस नए नियम के तहत लोगों का सिबिल और अन्य क्रेडिट स्कोर अब हर हफ्ते अपडेट होगा। इसका मतलब यह है कि आपकी फाइनेंशियल आदतें - चाहे अच्छी हों या बुरी - अब तुरंत रिकॉर्ड में दिखाई देंगी। इससे न सिर्फ बैंकों को बल्कि आम ग्राहकों को भी फायदा होगा, क्योंकि लोन या क्रेडिट कार्ड अप्रूवल में तेजी आएगी और वित्तीय व्यवहार पर असर तुरंत नजर आएगा।

अब तक जब भी कोई व्यक्ति ईएमआई समय पर भरता था या कोई बकाया चुकाता था, तो उसका असर क्रेडिट स्कोर में दिखने में 10 से 15 दिन तक लग जाते थे। कई बार लोग सुधार कर लेते थे, लेकिन स्कोर अपडेट होने में देरी की वजह से उन्हें लोन या क्रेडिट कार्ड के लिए इंतजार करना पड़ता था। आरबीआई के नए नियम के बाद यह इंतजार खत्म होने वाला है और क्रेडिट स्कोर कहीं ज्यादा तेजी से बदलेगा।

अप्रैल 2026 से देश की सभी क्रेडिट इन्फॉर्मेशन कंपनियां, जैसे ट्रांसयूनियन सिबिल और एक्सपेरियन, अब हर 15 दिन की जगह हर हफ्ते कस्टमर का डेटा अपडेट करेंगी। महीने में कुल पांच बार क्रेडिट जानकारी रिफ्रेश की जाएगी। इसके लिए 7, 14, 21 और 28 तारीख तय की गई हैं। इसका मतलब यह है कि अब स्कोर अपडेट होने में देरी नहीं होगी और किसी भी बदलाव का असर तुरंत नजर आएगा।

सूर्यकुमार पर विवादित बयान देने वाली अभिनेत्री बुरी फंसी, 100 करोड़ का मानहानि का केस दर्ज

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय क्रिकेट टीम के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव का नाम हाल ही में एक विवाद से जुड़ गया है, जिसने सोशल मीडिया और मनोरंजन जगत में हलचल मचा दी है। अभिनेत्री खुशी मुखर्जी के एक इंटरव्यू में दिए गए बयान के बाद सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर फैजान अंसारी ने कड़ा रुख अपनाया है। अंसारी ने मुखर्जी के खिलाफ 100 करोड़ रुपए का मानहानि का मुकदमा दायर किया है, यह आरोप लगाते हुए कि उनके दावों से न सिर्फ सूर्यकुमार यादव की छवि को नुकसान पहुंचा है, बल्कि यह सब सिर्फ पब्लिसिटी के लिए किया गया।

यह विवाद 13 जनवरी को सामने आया, जब खुशी मुखर्जी ने एक इंटरव्यू में दावा किया कि भारतीय क्रिकेटर सूर्यकुमार यादव उन्हें लगातार मैसेज करते थे। इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर बहस तेज हो गई। हालांकि मुखर्जी ने यह भी कहा था कि उनके और सूर्यकुमार यादव के बीच कभी कोई निजी या रोमांटिक संबंध नहीं रहा, लेकिन उनके बयान को लेकर सवाल उठने लगे।

मुंबई निवासी सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर फैजान अंसारी ने इस बयान को गंभीर मानते हुए कानूनी कार्रवाई का फैसला किया। उन्होंने उत्तर प्रदेश के गाजीपुर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। अंसारी का कहना है कि मुखर्जी के आरोप बेबुनियाद हैं और इससे एक राष्ट्रीय स्तर के क्रिकेटर की साख को ठेस पहुंची है। ईंधे दर्ज कराने के लिए अंसारी खुद मुंबई से गाजीपुर पहुंचे, जिससे उनके इरादों की गंभीरता साफ झलकती है। अंसारी ने आरोप लगाया कि खुशी मुखर्जी ने जानबूझकर सूर्यकुमार यादव का नाम लिया ताकि उन्हें मीडिया कवरेज और सोशल मीडिया पर सुर्खियां मिल सकें। उनका कहना है कि इस तरह के बयान किसी भी खिलाड़ी की निजी और पेशेवर छवि को नुकसान पहुंचा सकते हैं। उन्होंने अभिनेत्री के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है और दावा किया है कि ऐसे मामलों में कड़ी सजा होनी चाहिए।

पत्रकारों से बातचीत में फैजान अंसारी ने बताया कि उन्होंने 100 करोड़ रुपये का मानहानि का केस दायर करने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि उनकी कानूनी टीम पूरी तरह तैयार है और इससे पहले भी इसी तरह का मुकदमा दायर किया जा चुका है। अंसारी ने यह भी कहा कि सोशल मीडिया पर उनके लाखों फॉलोअर्स हैं और वह इस मुद्दे को व्यापक स्तर तक ले जाने की जिम्मेदारी निभाएंगे।

रुपए में लगातार तीसरे दिन गिरावट, डॉलर के मुकाबले कमजोर हुई भारतीय करेंसी?

मुंबई **(एजेंसी)**। रुपए में शुक्रवार को लगातार तीसरे दिन गिरावट आई और यह 50 पैसे टूटकर 90.84 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और विदेशी पूंजी की निरंतर निकसी से घरेलू मुद्रा पर दबाव बढ़ा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि अस्थिर वैश्विक रुख और अमेरिकी मुद्रा में मजबूती ने विदेशी संस्थागत निवेशकों की पूंजी निकासी को तेज कर दिया जबकि घरेलू निवेशकों ने निचले मूल्य पर शेयरों की खरीद की। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 90.37 प्रति डॉलर पर खुला। कारोबार के दौरान 90.89 प्रति डॉलर के निचले स्तर पर पहुंच गया। अंत में यह डॉलर के मुकाबले 90.84 (अस्थायी) पर बंद हुआ जो बुधवार को बंद भाव से 50 पैसे की गिरावट है। रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.34 पर बंद हुआ था।

मुंबई में बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) चुनाव के अवकाश के मद्देनजर बृहस्पतिवार को विदेशी मुद्रा बाजार बंद थे। मिराए एसेट शेयरखान के शोध विश्लेषक अनुज चौधरी ने कहा कि विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी और डॉलर के मजबूत होने से रुपया लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में टूटा। चौधरी ने कहा, "व्यापार समझौते को लेकर बातचीत और भू-राजनीतिक तनाव को लेकर अनिश्चितता के बीच रुपये में गिरावट का अनुमान है। मजबूत डॉलर, पूंजी बाजारों से विदेशी निवेशकों की निकासी और कच्चे तेल की ऊंची कीमतें रुपए पर दबाव डाल सकती हैं।"

मध्य रेल
सोलापुर मंडल
सिगनलिंग कार्य
भारत के राष्ट्रपति की और से और उनके लिए, सहायक मंडल सिगनल एवं दूरसंचार इंजिनियर (निर्माण), सोलापुर, मध्य रेल द्वारा ओन लाइन खुली निविदाए पात्र निविदाकर्ता की ओर से निम्न लिखित कार्य के लिए आमंत्रित की जाती है। **निविदा सूचना संख्या- एसयूआर-एनसी-सी आर-एसएनटी-सी-टी-03-2026. दिनांक 14.01.2026. कार्य का नाम** : "मध्य रेलवे पर सौलापुर मंडल के सोलापुर-तुलजापुर-उस्मानाबाद सेक्शन में नई बी. जी. लाइन के कार्य के संबंध में कंट्रोल और इमरजेंसी कम्युनिकेशन सिस्टम, गेट फोन, ट्रैचिंग, बिछाने, जॉइंटिंग और 0+0+6 क्याड केबल और ७/४ जेली फील्ड केवल का टर्मिनेशन और ऑप्टिक फाइबर कम्युनिकेशन की व्यवस्था जिसमें मटेरियल की सप्लाई, ट्रेचिंग, एच डी पी ई (HDPE) डक्ट में ब्लोइंग तकनिकी से OFC बिछाना, एच डी पी ई (HDPE) डक्ट बिछाना OFC केबल की स्प्लिसिंग टर्मिनेशन आदि शामिल है।" **कार्य की अनुमानित लागत**: ₹ 17,01,43,259.07 (सत्रह करोड़ रुपये एक लाख तैंतालीस हजार दो सौ उनसठ और सात रुपये मात्र)। **निविदा फार्म/बुकलेट की कीमत**: ₹ 0.00/- **बयाना राशि**: ₹ 10,00,700/- (रु. दस लाख सात सौ मात्र) **कार्य पुरा करने की अवधि**: एलओए जारी करने की तारीख से 12 महीने (बारह महीने)। जिसमें मानसून और फसल की अवधि शामिल है। **निविदा जमा करने की प्रारंभ तिथि: दिनांक: 09.02.2026. निविदा जमा करने की अंतिम तिथि और समय:दिनांक: 23.02.2026 के 15:00 तक। निविदा बंद करने की तिथि और समय: दिनांक: 23.02.2026 के 15:00 बजे ।** वेबसाईट विवरण जहां से निविदा सुचना के बारे में पूर्ण जानकारी आप प्राप्त कर सकते है: **www.ireps.gov.in**
Akar/Sur-9 **सहायक मंडल सिग्नल व दूर संचार इंजीनियर (निर्माण) म.रे. सोलापुर**
अपने जानवरों को रेल लाइन से दूर रखे

नूपुर सेनन की शादी में दिशा पटानी ने बटोरीं सुर्खियाँ, मिस्ट्री मैन के साथ हाथ थामे आईं नज़र, सोशल मीडिया पर चर्चा तेज़

मुंबई। एक्ट्रेस नूपुर सेनन और सिंगर स्टेबिन बेन की शादी के जश्न की तस्वीरें इंटरनेट पर छाई हुई हैं। जहाँ दूल्हा-दुल्हन अपनी नई शुरुआत के लिए बधाई पा रहे हैं, वहीं इस शादी के एक वीडियो ने बॉलीवुड गलियारों में नई चर्चा छेड़ दी है। यह चर्चा किसी और की नहीं बल्कि एक्ट्रेस दिशा पटानी और उनके साथ नज़र आए एक 'मिस्ट्री मैन' की है। दिशा पटानी और एक आदमी, जिसे कई लोग ऑनलाइन पंजाबी सिंगर तलविंदर मान रहे हैं, से जुड़ा एक छोटा सा पल सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया। इवेंट के क्लिप में दोनों को एक-दूसरे के करीब खड़े, हाथ पकड़े हुए और बाद में एयरपोर्ट से एक साथ निकलते हुए दिखाया गया। यह चर्चा तब और तेज़ हो गई जब दिशा पटानी की करीबी दोस्त मौनी रॉय ने सार्वजनिक रूप से तलविंदर के लेटेस्ट एल्बम की तारीफ की। हालांकि यह तारीफ पूरी तरह से प्रोफेशनल लग रही थी, लेकिन इसका समय, खासकर बढ़ती डेटिंग की अफवाहों के बीच, सिंगर को एक बार फिर सुर्खियों में ले आया। और कई लोग वही सवाल पूछ रहे हैं: आखिर तलविंदर कौन है, और वह अचानक हर जगह क्यों दिख रहा है?

नूपुर और स्टेबिन की शादी का एक छोटा वीडियो बड़े पैमाने पर सर्कुलेट हुआ है, जिसमें दिशा पटानी मुस्कुराती हुई और मेहमानों से बातचीत करती दिख रही हैं। जिस बात ने ध्यान खींचा, वह एक छोटा सा पल था जब वह अपने बगल में खड़े एक आदमी का हाथ पकड़े हुए दिखीं। सोशल मीडिया यूज़र्स ने तुरंत सोशल मीडिया पर उस 'रहस्यमयी आदमी' की पहचान तलविंदर के रूप में की, जो एक पंजाबी सिंगर है और अपनी पर्सनल लाइफ को प्राइवेट रखने और सार्वजनिक रूप से शायद ही कभी अपना चेहरा दिखाने के लिए जाना जाता है। हालांकि, इंडिया टीवी इस जानकारी को स्वतंत्र रूप से वेरिफाई नहीं कर पाया।

इस बीच, तलविंदर के सोशल मीडिया पर बड़ी संख्या में फॉलोअर्स हैं, इंस्टाग्राम पर 6.7 मिलियन फॉलोअर्स और यूट्यूब पर 2.45 मिलियन सब्सक्राइबर हैं। अपनी अपार लोकप्रियता के बावजूद, खासकर जेन जेड्स के बीच, फैंस ने बताया कि उन्होंने लगातार सुर्खियों से दूर रहना चुना है।

दिशा पटानी और तलविंदर दोनों में से किसी ने भी अब तक वायरल वीडियो या डेटिंग की अटकलों पर कोई कमेंट नहीं किया है।

आपको बता दें कि कृति सेनन की बहन नूपुर सेनन और स्टेबिन बेन की शादी में बॉलीवुड और म्यूजिक इंडस्ट्री के कई बड़े सितारे शामिल हुए थे। हालांकि, दिशा और तल्विंदर के इस संक्षिप्त लेकिन ध्यान खींचने वाले पल ने कुछ समय के लिए लाइमलाइट अपनी ओर खींच ली।

मध्य रेल
सोलापुर मंडल
इंजिनिअरिंग कार्य
ई निविदा सूचना क्र. 02-2026-SrDENCo.. मध्य रेल कार्यालय मंडल रेल प्रबंधक (कार्य) सोलापुर भारत के राष्ट्रपति के लिये और उनकी और से दिनांक की बजे तक निम्नलिखित कार्यों के लिये ई निविदा आमंत्रित करते है। **कार्य का नाम** : 1) Provision of Stabling and supporting work like Portal, Shotcreting, Rock Bolting etc. at critical locations inside Tunnel No.2 In KWV-LUR section in Solapur Division. 2) Rebuilding of 11 Bridges (Slab: 06, RCC Pipe: 03, Arch Br.: 02) and Extension of 06 Bridges (Arches: 05, Box: 01) In Mohol-Wadi Section. **अनुमानित लागत**: ₹ 22,66,62,999.56/-. **बयाना रक्कम**: ₹ 12,83,300.00/-. **समापन की अवधी**: 18(Eighteen) Months. **अनुरक्षण की अवधी**: 48(Forty Eight) Months. **ई निविदा फार्म की किमत** : Nil. **वेबसाइट ई निविदा फार्म जमा करने की अंतिम तरिख और समय: 06/02/2026 up to 15.00 hrs. वेबसाइट ई निविदा खोलने की तरिख और समय: 06/02/2026 after 15.30 hrs. वेबसाईट विवरण: www.ireps.gov.in Note:** संभावित निविदाकर्ताओं को सलाह दी जाती है कि वे निविदा बंद होने की तिथि से पहले इस वेबसाइट पर बार-बार जाएं ताकि इस निविदा वेबसाइट के लिए जारी किए गए किसी भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र को नोट कर सकें: **www.ireps.gov.in**
मंडल यांत्रिक अभियंता म.रे. सोलापुर
Akar/Sur-8
अपने जानवरों को रेल लाइन से दूर रखे

'हमने युवाओं को खुला आसमान दिया', Startup India के 10 साल पूरे होने पर PM Modi ने गिनाईं उपलब्धियां

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत मंडपम में राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस और स्टार्टअप इंडिया के 10 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित एक कार्यक्रम में प्रदर्शनी का निरीक्षण किया। इस दौरान अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि नेशनल स्टार्टअप डे का ये अवसर, स्टार्टअप फाउंडर्स और इनोवेटर्स का ये समूह, मैं अपने सामने नए और विकसित होते भारत का भविष्य देख रहा हूं। उन्होंने कहा कि पहले स्टार्टअप को अक्सर असफलता का रास्ता माना जाता था। आज हम विज्ञान भवन में होने वाली सभाओं से आगे बढ़कर भारत मंडपम में खचाखच भरे हॉल तक पहुँच चुके हैं। मुझे खुद को भाग्यशाली मानता हूँ कि मुझे एक ही सप्ताह में दूसरी बार युवाओं से बातचीत करने का अवसर मिला है। नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज से 10 साल पहले, विज्ञान भवन में 500-700 नौजवानों के बीच इस कार्यक्रम की शुरुआत की थी। उस समय स्टार्टअप की दुनिया में जो नए-नए

लोग आ रहे थे, उनके अनुभव मैं सुन रहा था और मुझे याद है एक बेटी, जो कॉरपोरेट वर्ल्ड से अपनी नौकरी छोड़कर स्टार्टअप की तरफ जा रही थी। नौकरी छोड़कर वो कोलकाता अपनी मां से मिलने गई और मां से कहा कि मैंने नौकरी छोड़ दी है और मैं स्टार्ट करना चाहती हूं। फिर उसकी मां ने कहा, सर्वनाशष्ठ तुम बर्बादी की राह पर क्यों जा रही हो! स्टार्टअप को लेकर ये सोच हमारे देश में थी और आज हम कहां से कहां पहुंच गए, विज्ञान भवन से भारत मंडपम तक, जहां जगह नहीं है।

मोदी ने कहा कि हमारे यंग इनोवेटर्स, जिन्होंने नए सपने देखने का साहस दिखाया, मैं उन सभी की बहुत-बहुत सराहना करता हूं। आज हम स्टार्टअप इंडिया के 10 साल पूरे होने का माइलस्टोन सेलिब्रेट कर रहे हैं। 10 साल की ये जर्नी सिर्फ एक सरकारी योजना के सफल होने की कहानी नहीं है, ये आप जैसे हजारों-लाखों सपनों की जर्नी है। ये कितने ही सपनों के साकार होने की यात्रा है। उन्होंने कहा कि आप याद कीजिए, 10 साल पहले हालत क्या थे... इंडिविजुअल एफर्ट और इनोवेशन के लिए गुंजाइश ही नहीं थी। हमने उन परिस्थितियों को चैलेंज किया, हमने स्टार्टअप इंडिया लॉन्च किया और हमने युवाओं को खुला आसमान दिया, और आज नतीजा हमारे सामने है।

नरेंद्र मोदी ने कहा कि सिर्फ 10 साल में स्टार्टअप इंडिया मिशन क्रांति बन चुका है। भारत आज दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम है। उन्होंने कहा कि भारतीय युवा, वास्तविक समस्याओं के समाधान पर ध्यान दे रहे हैं, स्टार्टअप इंडिया मिशन एक क्रांति बन गया है। उन्होंने कहा कि 10 साल पहले, देश में 500 से भी कम स्टार्टअप थे, आज ये संख्या बढ़कर दो लाख से ज्यादा हो गई है। 2014 में भारत में सिर्फ 4 यूनिकॉर्न थे, आज भारत में करीब सवा सौ सक्रिय यूनिकॉर्न हैं। दुनिया भी आज इस सक्सेस स्टोरी को हैरानी से देख रही है। आने वाले समय में जब भारत की सक्सेस स्टोरी की बात होगी, तब यहां बैठे कितने ही युवा खुद में एक ब्राइट केस स्टडी बनने वाले हैं।

बिहार में कांग्रेस का होगा सफाया? जेडीयू के संपर्क में सभी 6 विधायक पार्टी में टूट की अटकलें तेज

पटना **(एजेंसी)**। बिहार में कांग्रेस के सभी छह विधायकों के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जनता दल यूनाइटेड में शामिल होने की अफवाहें चल रही हैं। पटना में कांग्रेस द्वारा आयोजित 'दही चूड़ा' समारोह में विधायक मनोहर प्रसाद सिंह (मनिहारी), सुरेंद्र प्रसाद (वाल्मीकि नगर), अभिषेक रंजन (चनपटिया), आबिदुर रहमान (अररिया), मोहम्मद कमरुल होदा (किशनगंज) और मनोज बिस्वान (फारबिसगंज) की अनुपस्थिति के बाद से इस बात की चर्चा तेज हो गई है।

बिहार में कांग्रेस के सभी छह विधायक मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली जेडीयू के संपर्क में हैं, जिससे बड़े पैमाने पर दल-बदल की संभावना बढ़ गई है। अगर यह कदम मायने रखता है। यदि यह कदम अमल में आता है, तो आरजेडी के नेतृत्व वाले विपक्षी गठबंधन का एक प्रमुख घटक कांग्रेस, विधानसभा में एक भी प्रतिनिधि के बिना रह जाएगी। 8 तारीख को पीसीसी अध्यक्ष राजेश राम द्वारा रोजगार सुरक्षा के लिए बुलाई गई बैठक में न तो सुरेंद्र प्रसाद और न ही अभिषेक रंजन उपस्थित हुए।

बिहार कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने इन अटकलों को खारिज करते हुए कहा कि 'एनडीए नेता अफवाहें फैला रहे हैं। हालांकि, नीतीश सरकार में एलजेपी मंत्री संजय सिंह ने कहा कि शुभ समय शुरू होने दीजिए। मकर संक्रांति के बाद कांग्रेस में बड़े पैमाने पर दल-बदल होगा क्योंकि पार्टी के सभी विधायक एनडीए में शामिल होने की संभावना है। बिहार विधानमंडल का बजट सत्र दो फरवरी से शुरू होकर 27 फरवरी तक चलेगा, जिसमें कुल 19 बैठकें होंगी।

बीएमसी चुनाव में मिटने वाली स्याही का उपयोग 'वोट चोरी का एक और परेशान करने वाला अध्याय' : सिद्धरमैया

बैंगलुरू। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने शुक्रवार को मीडिया में आई उन खबरों पर चिंता जताई जिनमें दावा किया गया था कि बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी)चुनाव के दौरान मतदाताओं की उंगली पर मिटने वाली स्याही लगाई गई थी। उन्होंने इसे "वोट चोरी का एक और परेशान करने वाला अध्याय' " बताया।

सिद्धरमैया ने कहा कि लोकतंत्र तभी कायम रह सकता है जब हर वोट की शुचिता बनी रहे। उन्होंने कहा कि चुनावी सुरक्षा उपायों की विश्वसनीयता से समझौता नहीं किया जाना चाहिए। बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) के चुनाव नौ साल बाद बृहस्पतिवार को हुए और मतगणना शुक्रवार को की जा रही है। नतीजों और रुझानों में भाजपा-शिवसेना गठबंधन स्पष्ट बहुमत हासिल करती नजर आ रही है।

सिद्धरमैया ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, " आज, बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) चुनावों को लेकर मीडिया में आई खबरें और सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में दिखाया

गया है कि तथाकथित अमिट स्याही को सैनिटाइजर, एसीटोन और अन्य पदार्थों से आसानी से मिटाया जा रहा है, जिससे चुनावी विश्वसनीयता के बारे में गंभीर चिंताएं पैदा हो रही हैं और ये चिंताएं महाराष्ट्र और उससे बाहर भी गूंज रही हैं।" उन्होंने कहा, "यह कोई एकाकी गड़बड़ी नहीं है, बल्कि 'वोट चोरी' की व्यापक कहानी का एक और परेशान करने वाला अध्याय है, जहां वास्तविक सवालों का खंडन, टालमटोल या चुप्पी से जवाब दिया जाता है। लोकतांत्रिक संस्थानों में विश्वास कम होता जा रहा है।"

मुख्यमंत्री ने कहा, "बुनियादी सुरक्षा उपायों को कमजोर करना और नागरिकों की चिंताओं को नजरअंदाज करना लोकतंत्र की रक्षा नहीं करता, बल्कि उसे नुकसान पहुंचाता है। निर्वाचन आयोग को अब पारदर्शिता, जवाबदेही और सुधारात्मक उपायों के साथ कार्रवाई करनी चाहिए।"

कांग्रेस अपने शीर्ष नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में कथित 'वोट चोरी' के खिलाफ देशव्यापी अभियान चला रही है। मुख्य विपक्षी पार्टी इस मुद्दे पर सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)और निर्वाचन आयोग को निशाना बना रही है।

डीजीसीए की सख्ती का असर, इंडिगो देगा यात्रियों को पूरा रिफण्ड और 10, 000 रुपये का मुआवजा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने शुक्रवार को घोषणा की कि वह 3 से 5 दिसंबर, 2025 के बीच परिचालन संबंधी गंभीर व्यवधानों से प्रभावित यात्रियों को मुआवज़ा देने के संबंध में इंडिगो एयरलाइंस के साथ सक्रिय रूप से बातचीत कर रहा है। डीजीसीए की प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि इंडिगो ने पुष्टि की है कि निर्धारित अवधि के दौरान रद्द हुई उड़ानों के लिए सभी रिफंड पूरी तरह से संसाधित कर दिए गए हैं और मूल भुगतान विधि में वापस कर दिए गए हैं।

प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि यात्री डीजीसीए नागरिक उड्डयन आवश्यकताओं के खंड 3, श्रृंखला एम, भाग-4 के तहत मुआवज़े के हकदार हैं, जो बोर्डिंग से इनकार, रद्द होने और देरी से प्रभावित यात्रियों के लिए सुविधाओं का प्रावधान करता है। जिन यात्रियों की उड़ानें निर्धारित प्रस्थान के 24 घंटे के भीतर रद्द हो गईं, वे लागू होने की स्थिति में, एयरलाइन द्वारा प्रदान किए गए एक विशेष लिंक के माध्यम से अतिरिक्त मुआवज़े का दावा कर सकते हैं।

प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि अतिरिक्त सहायता उपाय के रूप में, इंडिगो ने प्रभावित यात्रियों के लिए 'देखभाल का प्रतीक' (जीओसी) शुरू किया है, जिसके तहत 5, 000 रुपये के दो यात्रा वाउचर (कुल 10, 000 रुपये मूल्य के) प्रदान किए जा रहे हैं, जिनकी वैधता 12 महीने है। प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि यह उन यात्रियों पर लागू होता है जिनकी उड़ानें प्रभावित अवधि के दौरान रद्द हुईं या तीन घंटे से अधिक विलंबित हुईं। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, यात्री इंडिगो वेबसाइट पर दिए गए विशेष लिंक के माध्यम से अपनी पात्रता की जांच कर सकते हैं और इन वाउचर के लिए अपना विवरण जमा कर सकते हैं।

केरल राजनीति : मंत्री रोशी ऑगस्टीन बोले- जोस के मणि का बयान ही पार्टी का फाइनल स्टैंड है

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। केरल के मंत्री रोशी ऑगस्टीन ने शुक्रवार को केरल कांग्रेस (एम) के अध्यक्ष जोस के मणि के बयान से अपनी सहमति जताते हुए कहा कि 'उनका बयान ही पार्टी का बयान है। मीडिया से बात करते हुए रोशी ऑगस्टीन ने कहा कि पार्टी के एजेंडे में कोई बदलाव नहीं आया है। जोस के मणि का बयान ही हमारी पार्टी का बयान है। इसमें कोई बदलाव नहीं है। आगामी चुनावों के एजेंडे के बारे में केरल कांग्रेस (एम) के अध्यक्ष जोस के मणि ने कहा था कि पार्टी वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) के साथ अपना गठबंधन जारी रखेगी।

पार्टी की बैठक से पहले पत्रकारों से बात करते हुए जोस के मणि ने कहा कि आज हमारा एजेंडा आगामी चुनाव प्रचार है और हमने एलडीएफ के साथ मिलकर आगामी चुनावों का सामना करने की अपनी पिछली नीति को जारी रखने का फैसला किया है। इससे पहले, कांग्रेस सांसद जेबी माथेर ने बुधवार को कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पार्टी का मनोबल बढ़ाने और 2026 के केरल विधानसभा चुनावों के लिए औपचारिक रूप से प्रचार अभियान शुरू करने के लिए 19 जनवरी को कोच्चि का दौरा करेंगे।

माथेर ने कहा राहुल गांधी जी 19 जनवरी को दोपहर 2 बजे कोच्चि मरीन ड्राइव पर आ रहे हैं ताकि मनोबल और उत्साह बढ़ाया जा सके और 2026 के विधानसभा चुनावों के लिए चुनाव प्रचार की शुरुआत की जा सके। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम में कांग्रेस के नेता और हाल ही में हुए स्थानीय निकाय चुनावों के उम्मीदवार शामिल होंगे। उन्होंने कहा हमारे सभी विजयी उम्मीदवार, जिन्होंने बहादुरी से चुनाव लड़ा, हमारे पंचायत अध्यक्ष, नगर पालिका अध्यक्ष और स्थानीय निकाय चुनावों के सभी सितारे वहां मौजूद रहेंगे, और राहुल जी उन्हें संबोधित करेंगे। इन सभी उम्मीदवारों के लिए एक भव्य अभिनंदन समारोह भी आयोजित किया जाएगा।

ईरान की ट्रंप को सरेआम जान से मारने की धमकी कहा-

इस बार निशाना नहीं चूकेगा गोली सिर के आर-पार होगी

तेहरान **(एजेंसी)**। ईरान में चल रहे विरोध प्रदर्शनों और उसमें अमेरिका के कथित हस्तक्षेप के बाद ईरान और अमेरिका के रिश्ते बेहद तनावपूर्ण हो गए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से संभावित सैन्य कार्रवाई की चेतावनी के जवाब में अब ईरान ने बेहद आक्रामक रुख अपनाया है। ईरान की सरकारी टेलीविजन पर एक ऐसा फुटेज प्रसारित किया गया, जिसमें ट्रंप को सरेआम जान से मारने की धमकी दी गई है। इस फुटेज में ट्रंप की वह तस्वीर दिखाई गई है, जो 2024 में अमेरिका के पेंसिल्वेनिया राज्य के बटलर शहर में एक चुनावी रैली के दौरान उन पर हुए जानलेवा हमले से जुड़ी है। तस्वीर के साथ फारसी भाषा में लिखा गया है 'इस बार निशाना नहीं चूकेगा और गोली सिर के आर-पार होगी ।'

यह पोस्टर एक ऐसे युवक के हाथ में दिखाया गया, जो तेहरान में हालिया प्रदर्शनों के दौरान मारे गए ईरानी सुरक्षाकर्मियों के अंतिम संस्कार समारोह में शामिल था। यह कार्यक्रम इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान न्यूज नेटवर्क पर प्रसारित किया गया। समारोह के दौरान कई लोग 'अमेरिका मुर्दाबाद' लिखे बैनर पकड़े हुए थे और कुछ लोग ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की तस्वीरें लहराते नजर आए। गौरतलब है कि पेंसिल्वेनिया की जिस घटना का जिक्र पोस्टर में किया गया, उसमें थॉमस क्रूक्स नामक बंदूकधारी ने ट्रंप पर गोली चलाई थी। हालांकि गोली ट्रंप के कान को छूते हुए निकल गई थी और वह बाल-बाल बच गए थे। इसी घटना को

लेकर ईरान के सरकारी प्रसारण में यह संकेत दिया गया कि अगली बार हमला जानलेवा होगा।

ईरान का नाम इससे पहले भी विदेशों में हत्या की साजिशों से जुड़ चुका है। जनवरी 2020 में ईरान के शीर्ष सैन्य कमांडर जनरल कासिम सुलेमानी की अमेरिकी हमले में मौत के बाद से ईरान लगातार ट्रंप से बदला लेने की कसम खाता रहा है। अमेरिकी न्याय विभाग के मुताबिक, 2024 में फरहाद शेकेरी नामक व्यक्ति की गिरफ्तारी के बाद ट्रंप की हत्या की एक ईरान-समर्थित साजिश को नाकाम किया गया था। अदालती दस्तावेजों में दावा किया गया कि इस साजिश के पीछे ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर का हाथ था।

ईरान के साथ 'जंग' के बीच ट्रंप का बड़ा ऐलान, गाजा शांति योजना का नया चरण शुरू, हमास को अल्टीमेटम

वाशिंगटन **(एजेंसी)**। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को घोषणा की कि गाजा के लिए प्रस्तावित 20-सूत्रीय शांति योजना का अगला चरण आधिकारिक रूप से शुरू हो गया है। ट्रंप ने कहा कि युद्धविराम के बाद उनके प्रशासन ने गाजा में रिकॉर्ड स्तर पर मानवीय सहायता पहुंचाई है, जिसे संयुक्त राष्ट्र ने भी 'अभूतपूर्व' करार दिया है। ट्रंप ने बताया कि गाजा के संक्रमणकालीन दौर के लिए एक नई फिलिस्तीनी तकनीकी (टेक्नोक्रेटिक) सरकार नियुक्त की गई है। इसे 'नेशनल कमेटी फॉर द एडमिनिस्ट्रेशन ऑफ गाजा' नाम दिया गया है, जिसे शांति बोर्ड के उच्च प्रतिनिधि का समर्थन प्राप्त होगा। ट्रंप के अनुसार, यह नेतृत्व गाजा के लिए शांतिपूर्ण भविष्य के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि मिस्र, तुर्की और कतर के सहयोग से अमेरिका हमास के साथ एक समग्र निरस्त्रीकरण समझौता सुनिश्चित करेगा। इस समझौते के तहत हमास को सभी हथियार सौंपने होंगे और हर सुरंग को नष्ट करना होगा। ट्रंप ने चेतावनी देते हुए कहा कि हमास को तुरंत अपने वादों का पालन करना चाहिए, जिसमें इज़राइल को अंतिम शव लौटाना भी शामिल है। ट्रंप ने दो टूक कहा, 'गाजा के लोगों ने बहुत दुख सह लिया है। अब समय आ गया है शक्ति के जरिए शांति।' इस बीच, संयुक्त राष्ट्र परियोजना सेवा कार्यालय के कार्यकारी निदेशक जॉर्ज मोरेइरा दा सिल्वा ने बताया कि गाजा में मलबे की मात्रा 60 मिलियन टन से अधिक हो चुकी है और इसे हटाने में सात साल से ज्यादा समय लग सकता है।

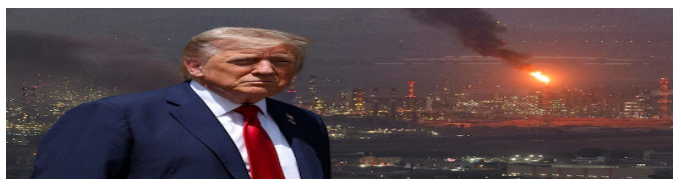

सत्य की हुई जीत, बंगाल सरकार पर बरसे तरुण चुघ, बोले- ममता बनर्जी को सुप्रीम कोर्ट की फटकार

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने शुक्रवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) मामले में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और राज्य पुलिस अधिकारियों को नोटिस जारी करने के सर्वोच्च न्यायालय के फैसले का स्वागत किया। चुघ ने न्यायालय की इस कार्रवाई को 'सत्य की जीत' और ममता बनर्जी की क्रूर, भ्रष्ट सरकार के मुंह पर करारा तमाचा बताया, जो माफियाओं को संरक्षण देती है।

एएनआई से बात करते हुए चुघ ने कहा, 'ईडी मामले में सर्वोच्च न्यायालय की फटकार सत्य की जीत है और ममता बनर्जी की क्रूर, भ्रष्ट सरकार के मुंह पर करारा तमाचा है, जो माफियाओं को संरक्षण देती है। ममता सरकार संवैधानिक संस्थाओं के कामकाज में खुलेआम हस्तक्षेप कर रही है, कानून-व्यवस्था को कगार पर धकेल रही है और केवल अराजकता फैला रही है... ममता बनर्जी कितना भी दबाव डालें, लूट और भ्रष्टाचार की जांच नहीं रुकेगी और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

चुघ की ये टिप्पणी गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट द्वारा पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और राज्य के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दायर याचिकाओं पर नोटिस जारी करने के बाद आई है।

ग्रीनलैंड पर अमेरिका-डेनमार्क में बढ़ा टकराव

यूरोपीय देशों ने ट्रंप के खिलाफ संभाला मोर्चा, ग्रीनलैंड भेजने शुरू किए सैनिक

नुउक **(एजेंसी)**। ग्रीनलैंड के भविष्य को लेकर अमेरिका, डेनमार्क और ग्रीनलैंड के बीच गंभीर मतभेद सामने आ गए हैं। इसी तनाव के बीच यूरोप के कई देशों के सैनिक डेनमार्क के समर्थन में ग्रीनलैंड पहुंचने लगे हैं। इसका मकसद यूरोपीय एकजुटता दिखाना और अमेरिका को यह संदेश देना है कि ग्रीनलैंड की सुरक्षा नाटो मिलकर कर सकता है। हाल ही में व्हाइट हाउस ने डेनमार्क और ग्रीनलैंड के अधिकारियों के साथ होने वाली बातचीत को 'ग्रीनलैंड के अधिग्रहण से जुड़ी तकनीकी वार्ता' बताया। यह बयान डेनमार्क के विदेश मंत्री लार्स लोके रासमुसेन के रुख से अलग था। रासमुसेन ने कहा कि बातचीत का उद्देश्य केवल मतभेदों को सुलझाने के रास्ते तलाशना है, न कि किसी अधिग्रहण पर सहमति बनाना। वार्ता शुरू होने से पहले ही डेनमार्क ने घोषणा की थी कि वह ग्रीनलैंड में अपनी सैन्य मौजूदगी बढ़ाएगा। इसके बाद फ्रांस, जर्मनी, ब्रिटेन, नॉर्वे, स्वीडन और नीदरलैंड जैसे यूरोपीय देशों ने प्रतीकात्मक संख्या में सैनिक भेजने शुरू कर दिए हैं या जल्द भेजने का वादा किया है। डेनमार्क के रक्षा मंत्री ट्रोएल्स लुंड पाउल्सेन ने बताया कि कई नाटो देशों के सैनिक बारी-बारी से ग्रीनलैंड में तैनात रहेंगे। इसका उद्देश्य आर्कटिक क्षेत्र की सुरक्षा मजबूत करना है, जहां रूस और चीन की बढ़ती दिलचस्पी चिंता का कारण बनी हुई है। हालांकि, अमेरिका अपने रुख पर कायम है। व्हाइट हाउस की प्रवक्ता कैरोलिन लेविट ने साफ कहा कि यूरोपीय सैनिकों की तैनाती से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सोच पर कोई असर नहीं पड़ेगा। उनके मुताबिक, ट्रंप मानते हैं कि ग्रीनलैंड को हासिल करना अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बेहद जरूरी है। डेनमार्क और ग्रीनलैंड ने दोहराया है कि ग्रीनलैंड उनके लिए केवल रणनीतिक संपत्ति नहीं, बल्कि उनकी संप्रभुता और पहचान का सवाल है। इसी वजह से आने वाले हफ्तों में बनने वाला उच्च स्तरीय कार्य समूह इस विवाद में अहम भूमिका निभा सकता है।

अमेरिका का चीन पर बड़ा प्रहार : ताइवान से की 250 अरब डॉलर की व्यापार डील, ताइवानी सामान पर शुल्क भी घटाया

ताइपे **(एजेंसी)**। अमेरिका और ताइवान ने बृहस्पतिवार को एक बड़े व्यापार समझौते पर सहमति जताई, जिसके तहत ताइवान की वस्तुओं पर शुल्क में कटौती की जाएगी और बदले में ताइवान अमेरिका में 250 अरब अमेरिकी डॉलर के नए निवेश करेगा। यह समझौता उन हालिया व्यापार सौदों में शामिल है जो अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने किए हैं। इससे पहले उन्होंने यूरोपीय संघ और जापान के साथ भी ऐसे समझौते किए थे। ये सभी समझौते ट्रंप द्वारा पिछले साल अप्रैल में व्यापार असंतुलन दूर करने के लिए पेश की गई व्यापक शुल्क योजना के बाद किए गए हैं।

ट्रंप ने दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था चीन के साथ रिश्तों को स्थिर करने के उद्देश्य से एक साल के व्यापारिक संघर्ष-विराम (ट्रेड ट्रूस) पर भी सहमति जताई। शुरुआत में ट्रंप ने ताइवान से आने वाले सामान पर 32 प्रतिशत शुल्क तय किया था, जिसे बाद में घटाकर 20 प्रतिशत कर दिया गया। नए समझौते के तहत अब शुल्क दर को और कम करके 15 प्रतिशत कर दिया गया है जो एशिया-प्रशांत क्षेत्र में अमेरिका के अन्य व्यापारिक साझेदारों जैसे जापान और दक्षिण कोरिया पर लगाए गए शुल्क के बराबर है।

अमेरिकी वाणिज्य मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि ताइवान के साथ यह समझौता एक 'आर्थिक साझेदारी' स्थापित करेगा, जिसके तहत घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए अमेरिका में कई 'विश्व स्तरीय' औद्योगिक पार्क बनाए जाएंगे। वाणिज्य मंत्रालय ने इसे एक "ऐतिहासिक व्यापार समझौता" करार दिया और कहा कि इससे अमेरिका के सेमीकंडक्टर क्षेत्र को गति मिलेगी। ताइवान की सरकार ने एक बयान में इस समझौते के प्रमुख बिंदुओं की पुष्टि करते हुए कहा कि इससे दोनों देशों के बीच 'रणनीतिक सहयोग' और गहरा होगा।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.phpid=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharatt=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. MAHHIN/ 2016/65841 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा AIS Printing solution प्लॉट नं0-A- 544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एमआईडीसी माहपे-नवी मुंबई, थाने 400709 से मुद्रित एवं शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012प्रकाशित एवं सम्पादित । कार्यालय : शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012 । फोन : 022-24706563 । कार्यकारी सम्पादक- योगेन्द्र चौधरी
E-Mail : editormantrabharat@gmail.com mantrabharatmumbai@gmail.com । सम्पादक : विनोद आर शर्मा, मोबाइल : 7007837917 । समूह सम्पादक : डॉ दयानन्द तिवारी। वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे के लिए मंत्र प्रधान कार्यालय क्षेत्र प्रयागराज/ इलाहाबाद न्यायालय ही होगा। प्रधान कार्यालयः 80ए मेंहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 (नोटः कानूनी पत्र व्यवहार का पता प्रधान कार्यालय ही होगा।)